PLANET NEWS हर खबर सच के साथ INDIA
Follow us on:/
निर्भय कुमार सेंगर
(संस्थापक एवं प्रधान संपादक)
01

प्लैनेट न्यूज़ इंडिया
हर खबर सच के साथ

भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
RNI No.- UPHIN/25/A4228

(भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापनों हेतु मान्यता प्राप्त)

■ वर्ष : 01 ■ अंक : 01 ■अलीगढ, सोमवार, 14 सितंबर 2026 ■ पृष्ठ : 8 ■ मूल्य : 1/-रुपया www.planetnewsindia.com

एएमयू में बवाल: छात्राओं का हंगामा, प्रॉक्टर टीम ने की जमकर धक्का-मुक्की, परीक्षा छूटी

विरोध प्रदर्शन के दौरान प्रॉक्टर टीम मौके पर पहुंची थी। छात्राओं का आरोप है कि टीम के साथ बातचीत के समय स्थिति तनावपूर्ण हो गई। उन्होंने बताया कि प्रॉक्टर टीम के सदस्यों ने उनके साथ धक्का-मुक्की की। छात्राओं ने इस घटनाक्रम को बेहद गंभीर बताया है। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के अब्दुल्लाह हॉल में सोमवार को छात्राओं ने विरोध प्रदर्शन किया। यह हंगामा मेस और साफ-सफाई की व्यवस्थाओं को लेकर हुआ। छात्राओं ने अपनी समस्याओं पर नाराजगी जताई और नारेबाजी की। इस दौरान प्रॉक्टर टीम पर छात्राओं के साथ धक्का-मुक्की करने के गंभीर आरोप भी लगे। अब्दुल्लाह हॉल की छात्राएं मेस में भोजन की गुणवत्ता से असंतुष्ट थीं। वे साफ-सफाई की खराब स्थिति को लेकर भी शिकायतें कर रही थीं। छात्राओं ने अन्य व्यवस्थाओं में भी सुधार की मांग की। उनका आरोप है कि उनकी शिकायतों को गंभीरता से नहीं सुना गया। इसके बजाय, उन्हें कार्रवाई की चेतावनी दी जा रही थी। इसी बात को लेकर छात्राओं में काफी नाराजगी थी। विरोध प्रदर्शन के दौरान छात्राओं ने जमकर नारेबाजी की। मौके पर पहुंची प्रॉक्टर टीम से बातचीत के दौरान स्थिति बिगड़ गई। छात्राओं ने आरोप लगाया कि टीम ने उनके साथ धक्का-मुक्की की। उन्होंने पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

छात्राओं की शिकायतें और नाराजगी

अब्दुल्लाह हॉल की छात्राओं ने मेस में मिलने वाले भोजन की गुणवत्ता पर सवाल उठाए। उन्होंने हॉस्टल परिसर में साफ-सफाई की व्यवस्था को भी खराब बताया। छात्राओं ने अपनी इन समस्याओं को अधिकारियों के सामने रखा था। उनका कहना है कि शिकायतों को सुनने के बजाय उन्हें कार्रवाई की धमकी दी गई। इस व्यवहार से छात्राओं में भारी नाराजगी फैल गई। उन्होंने अपनी मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।

प्रॉक्टर टीम पर धक्का-मुक्की के आरोप

विरोध प्रदर्शन के दौरान प्रॉक्टर टीम मौके पर पहुंची थी। छात्राओं का आरोप है कि टीम के साथ बातचीत के समय स्थिति तनावपूर्ण हो गई। उन्होंने बताया कि प्रॉक्टर टीम के सदस्यों ने उनके साथ धक्का-मुक्की की। छात्राओं ने इस घटनाक्रम को बेहद गंभीर बताया है। उन्होंने पूरे मामले की गहन और निष्पक्ष जांच की मांग की है। यह आरोप विश्वविद्यालय प्रशासन के लिए चिंता का विषय बन गया है।

हंगामे से परीक्षा हुई प्रभावित

छात्राओं के इस हंगामे का असर अब्दुल्लाह स्कूल और एएमयू गर्ल्स स्कूल में होने वाली परीक्षाओं पर भी पड़ा। सोमवार को स्कूल परिसर में परीक्षाएं आयोजित होनी थीं। छात्राओं के अनुसार, अब्दुल्लाह हॉल में चल रहे घटनाक्रम के कारण वे परीक्षा नहीं दे सकीं। हंगामे की वजह से कई छात्राएं परीक्षा देने नहीं पहुंच पाईं। इससे परीक्षा देने पहुंची अन्य छात्राओं को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। यह स्थिति छात्रों के शैक्षणिक कार्यक्रम के लिए बाधा बनी

Aligarh News: एआई बताएगा मरीज को कितनी देनी है बेहोशी की दवा

एएमयू के जेएन मेडिकल कॉलेज में मरीज को एनेस्थीसिया देने की प्रक्रिया को और स्मार्ट व सटीक बनाने की तैयारी हो रही है। मरीज की मॉनिटरिंग से लेकर एनेस्थीसिया की सटीक खुराक तय करने तक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद ली जाएगी। कॉलेज में दुनिया भर के एनेस्थीसिया विशेषज्ञों ने इस विषय पर मंथन किया। भारतीय एनेस्थीसियोलॉजिस्ट कॉलेज के सातवें अंतरराष्ट्रीय एवं 17वें राष्ट्रीय सम्मेलन में अमेरिका, ब्रिटेन, यूएई, सऊदी अरब और सिंगापुर समेत कई देशों के 20 विशेषज्ञ पहुंचे हैं। सम्मेलन में 300 से अधिक डेलीगेट्स और 100 फैकल्टी सदस्य भाग ले रहे हैं।

विशेषज्ञों ने स्मार्ट एनेस्थीसिया, एआई आधारित मॉनिटरिंग, रोबोटिक असिस्टेंस और प्रिसिजन डोज पर विचार साझा किए। डीन डॉ. प्रदीप जैन ने बताया कि एआई आधारित सिस्टम एनेस्थीसिया देने के दौरान मरीज की निगरानी और उपचार को बेहतर बनाने में मददगार हो सकता है। हालांकि, इलाज का अंतिम निर्णय एआई नहीं, बल्कि डॉक्टर का अनुभव और मानवीय विवेक ही करेगा। प्रो. हम्माद उस्मानी ने बताया कि एएमयू में पहली बार इस स्तर का अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित हो रहा है। संचालन डॉ. उबैद अहमद सिद्दीकी ने किया।

अलीगढ़ में शुरू होने जा रहा U-19 क्रिकेट टूर्नामेंट, 13 सितंबर को पहला ट्रायल सफलता पूर्वक आयोजन हुआ।

अलीगढ़। युवा क्रिकेट प्रतिभाओं को मंच देने के उद्देश्य से अलीगढ़ में **U-19 क्रिकेट टूर्नामेंट** का आयोजन किया जा रहा है। **13 सितंबर को पहला ट्रायल सफलतापूर्वक आयोजित हुआ,** जिसमें **सलमान ईलियास और रामू यादव** ने खिलाड़ियों का चयन किया। ट्रायल में 50 बच्चों का चयन किया गया।

अब **20 सितंबर को सुबह 8 बजे रॉयल्स क्रिकेट एकेडमी, स्वर्ण जयंती नगर, नियर ऑक्सीजन पार्क में** दूसरा ट्रायल आयोजित होगा, जो **बिल्कुल निशुल्क** रहेगा।

आयोजक **पवन कुमार सैनी** ने बताया कि चयनित खिलाड़ियों के लिए **27 सितंबर को दोपहर 2 बजे के बाद ऑक्शन** होगा। **टूर्नामेंट के मुख्य मुकाबले 7 अक्टूबर 2026** को **सुबह 8 बजे मुवा खेड़ा ग्राउंड** में खेले जाएंगे। आयोजन में **Planet News India मीडिया पार्टनर** है।

इस मौके पर **तान्या शर्मा, सचिन और आरती सिह** ने भी युवा खिलाड़ियों को बेहतर मंच देने की बात कही।

आयोजक: Hunar Ki Maharath | **डायरेक्टर:** पवन कुमार सैनी

Sponsored By: LA CHEF, Harsh Udyan Resort, Ozone City, Sangwan Group, Shibboo ji kachori Wings & Own, Lintong, BNNS Manohar Traders और Vivekanand College सहित अन्य।

Aligarh News: डेंगू का एक मरीज मिला

स्वाइन फ्लू के बीच ही जिले में डेंगू भी पांव पसार रहा है। दो दिन पहले ही शाहजमाल इलाके के एक मरीज में डेंगू की पुष्टि हुई है। जुलाई से अब तक आठ लोगों को डेंगू ने अपनी चपेट में लिया है। वहीं, इस वर्ष जनवरी से अब तक लगभग 11 लोगों को मलेरिया हो चुका है। शहर से सटे हुए लोधा, हरदुआगंज, शाहजमाल, डबल टंकी में मच्छरों का सर्वाधिक प्रकोप है। इन्हीं इलाकों में डेंगू के मरीज मिले हैं। अलीगढ़ शहर के 60 मोहल्ले और ग्रामीण क्षेत्र के 50 गांव डेंगू और मलेरिया के लिहाज से संवेदनशील हैं। जिला मलेरिया रोग नियंत्रण विभाग इन इलाकों में नगर निगम और पंचायत राज विभाग के माध्यम से फॉगिंग कराकर लोगों को मच्छरदानी का इस्तेमाल करने के लिए जागरूक कर रहा है।

डीएमओ विनीता मिश्रा ने बताया कि जनवरी 2026 से 13 सितंबर तक अब तक डेंगू के आठ और मलेरिया के 11 मरीज मिल चुके हैं। जिन इलाकों में डेंगू और मलेरिया के मरीज मिलते हैं, वहां स्वास्थ्य शिविर लगाकर स्थानीय लोगों की जांच करने के साथ उन्हें जागरूक किया जा रहा है।

अब हुई जांच

- जनवरी 2026 से 13 सितंबर तक 308671 मलेरिया की जांच हुई, जिसमें 11 मरीज मिले।

-जनवरी 2026 से 13 सितंबर तक 3836 डेंगू की जांच हुई, जिसमें 8 मरीज मिले।

Aligarh News: सीसीटीवी ने खोला स्कूटी चोरी का राज, हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

कोतवाली नगर क्षेत्र में घर के बाहर से चोरी हुई स्कूटी के मामले का पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से खुलासा कर दिया। पुलिस ने घटना में शामिल एक हिस्ट्रीशीटर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की स्कूटी, मोबाइल फोन और तमंचा बरामद करने का दावा किया है। पुरानी कचहरी ऊपरकोट निवासी शौकत ने नौ सितंबर को पुलिस को तहरीर देकर बताया था कि सुबह उनके घर के बाहर खड़ी स्कूटी चोरी हो गई। गली में लगे सीसीटीवी में चोरी की पूरी घटना कैद हो गई। पुलिस ने फुटेज खंगालने के बाद आरोपी की पहचान कमेला रोड निवासी सुलेमान के रूप में की और उसे गिरफ्तार कर लिया। वह थाने का हिस्ट्रीशीटर है। सीओ प्रथम संजीव कुमार शर्मा ने बताया कि पूछताछ में आरोपी ने स्कूटी चोरी करने के साथ ही एक मोबाइल फोन चोरी करने की बात भी कबूल की है। आरोपी के खिलाफ कोतवाली नगर में पहले से ही 12 मुकदमे दर्ज हैं।

लचर सिस्टम: कहां गया विधिक माप विज्ञान विभाग, ब्रांडेड खाली बैग में बेचा जा रहा सामान्य आटा

मेरे घर में आटा रखने वाली टंकी 10 किलो की है। पूरा 10 किलो आटा होता है तो ऊपर तक भर जाती है। जब खाली रहने लगी तो पता चला कि नौ किलो आटा ही आ रहा है। -अजय देवी।

हरिओम नगर से आटा खरीदा था, टंकी में भरने पर कम निकला तो दुकानदार से इसकी शिकायत की। इसके बाद जांच शुरू हुई है। - सरिता अवस्थी।

दो तीन महीनों से आटा कम निकल रहा था, पहले तो इसे सामान्य बात समझा, बाद में शक होने पर दुकानदार को बताया था। यह लोगों के साथ धोखाधड़ी है। -मंजू वार्ष्णेय।

10 किलो के बैग में नौ किलो आटा दिया जा रहा है। भाव भी कम नहीं हुए हैं। यह धोखाधड़ी है। ऐसे लोगों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। -मुन्नी देवी।

घटतौली की शिकायत

जितेंद्र वार्ष्णेय ने बताया कि घटतौली के मामले की लिखित शिकायत उन्होंने विधिक माप विज्ञान के अधिकारी को भेजी थी, लेकिन शुक्रवार शाम पांच बजे के बाद उनसे मुलाकात नहीं हो सकी।

सुदामापुरी इलाके में कई चर्चित ब्रांड के खाली बैगों में सादा आटा भरकर बेचा जा रहा है। 10 की जगह नौ किलो की पैकिंग बनाई जाती है। इन सभी बैग से बैच नंबर, पैकिंग व एक्सपायरी डेट और एमआरपी हटा दी जाती है। अलीगढ़ के हरिओम नगर में रहने वाले कई लोगों के घरों में महीनों से 10 किलो की जगह नौ किलो आटा ही आ रहा था। शक हुआ तो स्थानीय प्रोविजन स्टोर संचालक दिलीप से इसकी शिकायत की गई। इसके बाद घटतौली का पता चला। लोगों का सवाल है कि घटतौली पर कार्रवाई करने वाला विधिक माप विज्ञान विभाग कहां है। बृहस्पतिवार को हुए इस प्रकरण में शनिवार तक विभाग को कोई जानकारी क्यों नहीं हुई। रूचि ब्रांड आटा कंपनी के मालिक जितेंद्र वार्ष्णेय ने बताया कि सुदामापुरी इलाके में कई चर्चित ब्रांड के खाली बैगों में सादा आटा भरकर बेचा जा रहा है। 10 की जगह नौ किलो की पैकिंग बनाई जाती है। इन सभी बैग से बैच नंबर, पैकिंग व एक्सपायरी डेट और एमआरपी हटा दी जाती है। हरिओम नगर के प्रोविजन स्टोर संचालक दिलीप अग्रवाल ने सुदामापुरी से वही आटा मंगा लिया था, जो खाली बैग में नौ किलो पैक किया गया था। दिलीप ने बताया कि उन्होंने यही आटा पीडब्ल्यूडी के एक कर्मी को दिया था, उनके घर में 10 किलो की टंकी में जब आटा भरा गया तो वह खाली रह गई, जिससे उन्हें शक हुआ था। उन्होंने कंपनी के नंबर पर फोन कर इसकी जानकारी दी थी।

अलीगढ़: सास ने बहू को जमीन पर गिराकर बेरहमी से पीटी, वीडियो हुआ वायरल, शांतिभंग में की कार्रवाई

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो पिछले माह का है। पुलिस कर्मी दोनों पक्ष को थाने ले गए जहां एक आरोपी पर शांतिभंग की कार्रवाई कर चालान कर दिया गया। अकराबाद के गांव धौराई का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है जिसमें एक सास अपनी पुत्रवधू को जमीन पर गिराकर बेरहमी से पीटती दिख रही है। बताते हैं कि पुराने कर्ज को लेकर परिवार में झगड़े के बाद यह घटना हुई। सूचना पर पीआरवी कर्मी पहुंच गए। गांव धौराई निवासी अंकित कुमार ने पुलिस को बताया कि कुछ वर्ष पहले उनकी मां ने कर्ज लेकर तीन बहनों की शादी की। अब मां और भाई के साथ परिवार के अन्य लोग उन पर कर्ज का रुपया वापस करने का दबाव बनाते हैं। इस बात पर काफी समय से परिवार में कलह है। मां-भाई आए दिन उनके साथ ही पत्नी को पीटते हैं। बताया कि सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो पिछले माह का है। पुलिस कर्मी दोनों पक्ष को थाने ले गए जहां एक आरोपी पर शांतिभंग की कार्रवाई कर चालान कर दिया गया।

यूपी में भाजपा बनाम भाजपा: यहां हुईं दो महापंचायतें, विधायक के पक्ष व विपक्ष में जुटीं कई गांवों की बिरादरियां

भाजपा बनाम भाजपा

- विधायक के पक्ष और विपक्ष में दो महापंचायतें
- तनाव को देखते हुए पुलिस अलर्ट

नंदकिशोर के समर्थन में 36 बिरादरियों के जुटने का दावा

सिरौली गांव स्थित एक स्कूल में रविवार को लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर के समर्थन में महापंचायत बुलाई गई। इसमें आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। आयोजकों ने दावा किया कि यह 36 बिरादरियों की हिंदू महापंचायत है। इसमें हाल की आपराधिक घटनाओं, सामाजिक विवाद और कानून-व्यवस्था को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। महापंचायत में तीन अहम प्रस्ताव पास किए गए। पहला प्रस्ताव था कि 36 बिरादरियां पूरी तरह से विधायक नंदकिशोर गुर्जर के साथ है। दूसरा प्रस्ताव विधायक का विरोध करने वाले भाजपा नेताओं की जांच को लेकर था, जिसमें कहा गया कि जो लोग पार्टी में रहकर विधायक का विरोध कर रहे हैं, उनकी भूमिका की जांच होनी चाहिए। तीसरे प्रस्ताव में सामाजिक विवादों के समाधान के लिए 51 सदस्यीय समिति गठित करने का निर्णय लिया गया, जो क्षेत्र में होने वाले सामाजिक विवादों को आपस में बैठकर सुलझाएगी। लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने पंचायत को संबोधित करते हुए कहा कि वह हिंदुत्व और गौरक्षा के मुद्दे पर अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि लोनी की शांति खराब करने वालों का हर स्तर पर विरोध किया जाएगा। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। महापंचायत में वक्ताओं ने आरोप लगाया कि हाजी सलमान के मामले में कुछ नेताओं ने लखनऊ में विपक्ष के मुखिया से वार्ता कर लोनी विधायक की हत्या की योजना बनाई थी। वक्ताओं ने कहा कि विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने समाज के लोगों के साथ अभद्रता की है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। लोनी की पहचान सामाजिक एकता और आपसी भाईचारे के लिए रही है, लेकिन विधायक के आचरण से इस भाईचारे को नुकसान पहुंच रहा है।

गाजियाबाद के लोनी में भाजपा बनाम भाजपा देखने को मिल रही है। लोनी विधायक के पक्ष और विपक्ष में दो महापंचायतें हुईं। महापंचायतों में क0ई गांवों की बिरादरियां जुटीं। इस दौरान आरोप-प्रत्यारोप लगे। इलाके में तनाव को देखते हुए पुलिस अलर्ट है। 1000 लोग पाबंद हैं। पांच सितंबर को लोनी के दो नंबर स्थित एक रेस्टोरेंट में भाजपा नेता अनिल कसाना ने हाजी सलमान द्वारा हिंदू युवक से मारपीट के बाद बिगड़े माहौल को लेकर प्रेसवार्ता रखी थी। इसके बाद ही भाजपा नेताओं में विवाद बढ़ गया।गाजियाबाद जिले के लोनी में एक प्रेसवार्ता से शुरू हुआ विवाद अब भाजपा बनाम भाजपा की जंग बन गया है। रविवार को भी दोनों पक्षों ने अलग-अलग महापंचायत कर शक्ति प्रदर्शन किया। दोनों जगह आरोप-प्रत्यारोप लगाए गए। इसके बाद लोनी में सियासी माहौल पूरी तरह से गरमा गया है।क्षेत्र में तनाव की स्थिति को देखते हुए पुलिस अलर्ट पर है। करीब 1000 लोगों को शांति व्यवस्था के लिए पाबंद किया गया है। वहीं, संगठन ने इसे दोनों पक्षों का आपसी मामला बताया है।

कसाना के पक्ष में 12 गांवों की पंचायत

लोनी विधायक के विरोध व भाजपा नेता अनिल कसाना के पक्ष में रिस्तल गांव में महापंचायत का आयोजन किया गया। इसमें कोतवालपुर, राजपुर, भूपखेड़ी, धारीपुर, सिरोरा, रेवड़ी, गढ़ी कलजरी, जावली, रिस्तल, महमूदपुर, शकलपुर और सीती समेत 12 गांवों के लोग शामिल हुए।

मोहम्मद नबील की कहानी: मदरसे में पढ़ता था संदिग्ध, नहीं रखता था किसी से मेलजोल, एक साल पहले गया था देवबंद

मोहम्मद नबील पर खुलासा

- एटीएस ने किया मोहम्मद नबील को गिरफ्तार
- अलकायदा इन इंडियन सब-कॉन्टीनेंट की विचारधारा के प्रचार-प्रसार का आरोप
- जांच में परिवार की सीसीटीएनएस जांच में

अलकायदा इन इंडियन सब-कॉन्टीनेंट की विचारधारा के प्रचार-प्रसार के आरोप में गिरफ्तार मोहम्मद नबील को लेकर नए खुलासे हुए हैं। नबील मदरसे में पढ़ता था। एक साल पहले देवबंद गया था। वो किसी से मेलजोल नहीं रखता था। नबील घर की ऊपरी मंजिल पर बने कमरे में अकेले रहता था। 12 सितंबर को दीदारगंज क्षेत्र के गांव चितारा महमूदपुर निवासी 19 वर्षीय मोहम्मद नबील को गिरफ्तार किया गया था।आतंकी संगठन अलकायदा इन इंडियन सब-कॉन्टीनेंट (एक्यूआईएस) की विचारधारा के प्रचार-प्रसार के आरोप में यूपी एटीएस की ओर से गिरफ्तार किए गए मोहम्मद नबील के बारे में कई जानकारियां सामने आई हैं। करीब एक वर्ष पहले वह देवबंद गया था लेकिन वह वहां किस उद्देश्य से गया था।

इसकी जांच-पड़ताल की जा रही है। दीदारगंज थाना क्षेत्र के गांव चितारा महमूदपुर का नबील लोगों से ज्यादा मेलजोल भी नहीं रखता था। घर की ऊपरी मंजिल पर बने कमरे में अकेले रहता था। नबील की गिरफ्तारी के बाद उसके घर पर सन्नाटा पसरा है। गांव में दो पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं।नबील के पिता दानिश वर्तमान में सऊदी अरब में रहते हैं। नबील अपने दादा-दादी के साथ रहता था। आती हैं।

तीन वर्ष पहले पूरा किया था हिफ्ज का कोर्स

ग्रामीणों के अनुसार, नबील की शुरुआती धार्मिक शिक्षा फूलपुर के बाबू मदरसे में हुई, करीब तीन वर्ष पहले उसने हिफ्ज का कोर्स पूरा किया था। इसके बाद सरायमीर स्थित मदरसा मदरतुल इस्लाम में पढ़ाई कर रहा था।ग्रामीणों के अनुसार, नबील घर की ऊपरी मंजिल पर बने कमरे में अकेले रहता था। वह गांव के लोगों से बहुत कम मिलता-जुलता था। पड़ोसियों के मुताबिक उसकी गतिविधियों में ऐसा कुछ सामने नहीं आया था, जिससे किसी बड़े विवाद या आपराधिक गतिविधि का अंदेशा हो।एजेंसी की जांच में नबील के परिवार के सदस्यों की सीसीटीएनएस पोर्टल पर उपलब्ध जानकारी में आपराधिक पृष्ठभूमि सामने नहीं आई है। नबील की गिरफ्तारी के बाद अब एटीएस उसकी डिजिटल गतिविधियों, संपर्कों और अन्य लोगों से संबंधों की जांच कर रही है। जांच पूरी होने के बाद उसके नेटवर्क और गतिविधियों की तस्वीर स्पष्ट हो सकेगी। एसपी ग्रामीण चिराग जैन ने बताया कि नबील के घर के आसपास पुलिस तैनात की गई है। एटीएस उसे लेकर जब से गई है, तब से घर पर सन्नाटा पसरा है।आजमगढ़ में एटीएस की दूसरी बड़ी कार्रवाई

आतंकी नेटवर्क और कट्टरपंथी गतिविधियों के आरोप में एटीएस ने करीब साढ़े तीन महीने के अंदर जिले में दूसरी बड़ी कार्रवाई की है। 31 मई 2026 को निजामाबाद थाना क्षेत्र के खुदादादपुर (संजरपुर) से मोहम्मद शेख की गिरफ्तारी की गई थी। अब 12 सितंबर को दीदारगंज क्षेत्र के गांव चितारा महमूदपुर निवासी 19 वर्षीय मोहम्मद नबील को गिरफ्तार किया गया। दोनों मामलों में सोशल मीडिया के माध्यम से युवाओं को आतंकी या कट्टरपंथी विचारधारा से जोड़ने का आरोप लगा है।एटीएस के मुताबिक, मोहम्मद शेख पाकिस्तान के आतंकी नेटवर्क के संपर्क में था। सोशल मीडिया के जरिये युवाओं को जोड़ने का प्रयास कर रहा था।

लखनऊ: लोहिया में बनेगा यूपी का दूसरा सबसे बड़ा व उन्नत ट्रॉमा सेंटर, गंभीर घायल मरीजों को मिलेगी बड़ी राहत

यूपी के हेल्थकेयर में बड़ा कदम

- ...अब लोहिया में भी उन्नत ट्रॉमा सेंटर
- अत्याधुनिक इलाज और नई सुविधाओं से होगा लैस

समारोह में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह, अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में लोहिया के रेसिडेंटरी मेडिसिन के हेड डॉ. अजय कुमार वर्मा की पुस्तक सीओपीडी: सही जानकारी, सही देखभाल का विमोचन हुआ ,जो इस पर पहली हिंदी पुस्तक है। डॉ. एसएस नाथ की पुस्तक क्रिटिकल केयर पर्ल्स का भी विमोचन हुआ।उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि छह साल में लोहिया संस्थान ने जिस तेजी से पहचान बनाई, वह मिसाल है। यहां से चिकित्सा क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार पाने वाला वैज्ञानिक निकलने की उम्मीद है। छात्रों से कहा कि सिर्फ डिग्री और अंक नहीं, कौशल, मेहनत और लगन से दुनिया जीती जा सकती है। उन्होंने एसआर-जेआर को अस्पताल की असली ताकत बताया। राजनीतिक टिप्पणी करते हुए उन्होंने सपा पर निशाना साधा और कहा कि लोहिया के समाजवाद का झूठा दावा करने वाले लोग पूंजीपतियों के साथ खड़े हैं।

लोहिया में आगे ये होगा

1,010 बेड का ब्रॉड-स्पेशियलिटी अस्पताल और 100 बेड का क्रिटिकल केयर ब्लॉक।

510 बेड का पीआरए, बहुमंजिला पार्किंग और 888 क्षमता वाले छात्रावास।

न्यूरोसाइंसेज सेंटर, नर्सिंग कॉलेज और खेल परिसर का विस्तार।

सुपर-स्पेशियलिटी व इमरजेंसी में बेड बढ़ाए जाएंगे।

1,085 नए पदों पर नियुक्तियां होंगी।

बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी, प्रजनन चिकित्सा और वृद्धजन देखभाल केंद्र शुरू होंगे।

हादसों में घायल गंभीर मरीजों को अब लखनऊ के डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में और बेहतर इलाज मिल सकेगा। संस्थान में यूपी का दूसरा 300 बेड वाला उन्नत ट्रॉमा सेंटर बनाने की तैयारी तेज हो गई है (पहला उन्नत ट्रॉमा सेंटर केजीएमयू में है, जो 450 बेड का है)। शहीद पथ परिसर से लगी करीब साढ़े चार एकड़ जमीन पर इसका निर्माण होगा। संस्थान के छठवें स्थापना दिवस पर रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में उपलब्धियों और भावी योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट पेश की गई। निदेशक डॉ. सीएम सिंह ने बताया कि संस्थान के विस्तार के लिए 1,010 बेड के अस्पताल और 1,085 नए पदों को मंजूरी मिली है। अब तक 600 रोबोटिक सर्जरी हो चुकी हैं। प्रदेश का दूसरा रोबोटिक किडनी ट्रांसप्लांट भी लोहिया में हुआ। इमरजेंसी में मरीजों को एंबुलेंस से उतारकर विभाग तक पहुंचाने के लिए पोर्टर सुविधा शुरू की गई है। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. विक्रम सिंह, डॉ. आलोक श्रीवास्तव, डॉ. अजय कुमार वर्मा, डॉ. ऋचा चौधरी, डॉ. आशीष चंद्र अग्रवाल, डॉ. रश्मि कुमारी, डॉ. मिली सेंगर, डॉ. आयुषी विग, डॉ. पद्मनिधि अग्रवाल, डॉ. शिवम वर्मा को मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया। नर्सिंग में उमा पांडेय और मुख्य नर्सिंग अधिकारी सुमन सिंह को लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार मिला।

दिल्ली: ब्रिक्स सम्मेलन के आखिरी दिन तक रहेगा अभेद्य सुरक्षा घेरा, साइबर हमले से लेकर संदिग्ध चेहरों तक पर नजर

सुरक्षा एजेंसियों का जोर किसी घटना के बाद प्रतिक्रिया देने के बजाय खतरे के संकेत पहले ही पकड़ने पर है। इसके लिए साइबर मॉनिटरिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित कैमरे, इंटेलिजेंस शेयरिंग और थ्रेट एनालिसिस जैसी तकनीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के समापन दिवस पर विदेशी राष्ट्राध्यक्षों और शीर्ष प्रतिनिधियों की सुरक्षा के लिए राजधानी में बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था जारी रहेगी। भारत मंडपम, विदेशी मेहमानों के ठहरने वाले होटल, एयरपोर्ट और वीवीआईपी आवागमन वाले मार्गों को हाईटेक सिक्योरिटी ग्रिड से जोड़ा गया है। सुरक्षा एजेंसियों का जोर किसी घटना के बाद प्रतिक्रिया देने के बजाय खतरे के संकेत पहले ही पकड़ने पर है। इसके लिए साइबर मॉनिटरिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित कैमरे, इंटेलिजेंस शेयरिंग और थ्रेट एनालिसिस जैसी तकनीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है। आईबी सूत्रों के अनुसार सुरक्षा व्यवस्था में केंद्रीय और राज्य एजेंसियों के बीच रियल-टाइम सूचना साझा करने की व्यवस्था अहम है। अलग-अलग स्रोतों से मिलने वाले इनपुट को एक साथ रखकर संदिग्ध गतिविधियों और खतरों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। इससे किसी खतरे की सूचना मिलने पर संबंधित एजेंसी को तेजी से कार्रवाई करने में मदद मिलेगी।नेशनल इंटेलिजेंस ग्रिड (नेटग्रिड) के जरिये 20 से ज्यादा सरकारी और निजी एजेंसियों से जुड़े डेटा को रियल-टाइम में साझा करने की व्यवस्था की गई है।

एआई कैमरों से चेहरों की पहचान

सम्मेलन स्थल और संवेदनशील इलाकों में एआई तथा फेस-रिकग्निशन कैमरों के जरिए निगरानी की जा रही है। कैमरों की मदद से संदिग्ध चेहरों और गतिविधियों की पहचान करने की कोशिश होगी। हाईटेक सुरक्षा खतरों से निपटने के लिए एआई आधारित अन्य प्रणालियों को भी सुरक्षा व्यवस्था में शामिल किया गया है।

एयरपोर्ट से होटल तक निगरानी

विदेशी मेहमानों की आवाजाही वाले एयरपोर्ट, भारत मंडपम, वीवीआईपी होटलों और इन्हें जोड़ने वाली सड़कों पर सीसीटीवी नेटवर्क तथा अन्य सर्विलांस सिस्टम से निगरानी रखी जाएगी। वीवीआईपी रूट की ट्रैफिक मैपिंग के जरिये आवागमन को नियंत्रित किया जाएगा। किसी आपात स्थिति से निपटने के लिए मेडिकल रिस्पॉन्स सिस्टम भी सुरक्षा व्यवस्था का हिस्सा है। इस तरह ब्रिक्स के अंतिम दिन सुरक्षा की कई परतें एक साथ सक्रिय रहेंगी। जमीन पर सुरक्षा बलों की तैनाती से लेकर कैमरों की निगरानी और साइबर स्पेस में गतिविधियों पर नजर तक। लक्ष्य स्पष्ट है कि संभावित खतरे का पता घटना से पहले लगाया जाए और जरूरत पड़ने पर तत्काल कार्रवाई की जा सके।

केजीएमयू की हकीकत: दलाल और डॉक्टर की बातचीत का ऑडियो; ईएनटी वाला मामला छह लाख में निपटा था, आपका भी निपट जाएगा

धरती के भगवान कहे जाने वाले डॉक्टर पैसों के भूखे भेड़िये नजर आ रहे हैं। केजीएमयू का ताजा मामला सामने आया है। डॉक्टर व दलाल के बीच जूम मीटिंग में हुई बातचीत का ऑडियो वायरल हो रहा है। इसमें दलाल कहता है कि ईएनटी के डॉक्टर का मामला छह लाख में निपटा था, आपका भी निपट जाएगा। अमर उजाला के पास वार्ता का ऑडियो मौजूद है। आगे पढ़ें पूरी खबर...राजधानी लखनऊ स्थित केजीएमयू के नेफ्रोलॉजी विभाग में तैनात आरोपी डॉक्टर का एक और ऑडियो शनिवार को सामने आया। इसमें जूम मीटिंग के जरिये कथित रूप से डॉक्टर और दलाल के बीच मरीज को निजी अस्पताल में भेजने के संबंध में करीब तीन मिनट की बातचीत दर्ज है। अमर उजाला के पास मौजूद ऑडियो में दलाल आरोपी डॉक्टर को पूर्व में किसी ईएनटी डॉक्टर का मामला छह लाख में निपटाने का भी दावा करते हुए आश्वासन दे रहा है।

पहले भी कई मरीज भेजे, मौत के बाद खुला भेद

नेफ्रोलॉजी विभाग के डॉक्टर निजी अस्पताल से सांठगांठ कर यह पूरा रैकेट संचालित कर रहे थे। इस रैकेट में गरीब मरीजों को केजीएमयू संस्थान में ही रखा जाता था। वहीं, मध्यवर्गीय मरीजों को बेहतर इलाज का झांसा देकर दुबग्गा के निजी अस्पताल भेजा जाता था। निजी अस्पताल में इलाज के नाम पर उनसे मोटी रकम वसूली जाती थी। पहले भी कई मरीजों को इसी तरह भेजा गया था। एक मरीज की मौत के बाद इस पूरे भेद का खुलासा हुआ।

केजीएमयू के प्रवक्ता डॉ. केके सिंह ने बताया कि डॉक्टर व दलाल के बीच जूम मीटिंग में हुई बातचीत का ऑडियो अभी नहीं मिला है। जांच के दौरान उसे भी साक्ष्य के तौर पर रखा जाएगा।

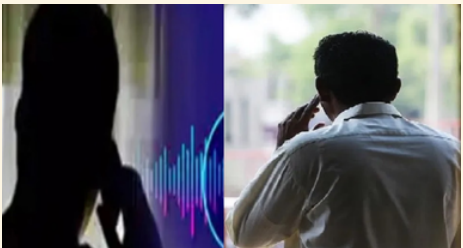

दलाल: डॉक्टर आप घबराए नहीं, आपने तो ट्रॉमा सेंटर रेफर किया था। आपको बस यही बोलना है।
डॉक्टर: हां, हम तो यही बोलेंगे... हमने वहीं भेजा था।

दलाल: परिजन के पास आपकी कोई कॉल रिकार्डिंग तक नहीं है क्या कर पाएंगे।
डॉक्टर: परिजन ने आरोप लगाए हैं कि एक लाख रुपये ले लिए गए, यार हमने तो उससे विजिट फीस भी नहीं ली है।

दलाल: आप बिल्कुल परेशान न हों, कुछ न होगा।
डॉक्टर: देखो जब पेशेंट का पैसा खर्चा होता है तो उसका गुस्सा उसी के लिए रहता है।

दलाल: भैया... जैसे अभी वो ईएनटी के डॉक्टर रमेश थे। उनका छह लाख में मामला निपटा था। पेशेंट मर गया था, मगर उन्होंने ऑपरेशन करा था। तब भी इतना मामला हुआ फिर भी उनको कुछ नहीं हुआ। छोड़ दिए गए। आपने तो कुछ किया ही नहीं है।

डॉक्टर: मैंने तो पेशेंट को एक इंजेक्शन भी नहीं दिया भाई। मैंने एचओडी सर को सब सच बता दिया, पूछा मुझे क्या करना चाहिए। उन्होंने सीधा डिनाई करने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि देखो कमेटी बनेगी, सवाल-जवाब होगा, सीधा कहना है कि मैंने उस पेशेंट को देखा ही नहीं..

दलाल: लेकिन फोन पर तो बात हुई होगी परिजनों से।
डॉक्टर: मेरे नंबर पर फोन किया होगा मगर रिकार्ड कुछ नहीं होगा।

ईरान के तेल पर अमेरिका की नजर? ट्रंप बोले- जरूरत पड़ी तो लागू करेंगे वेनेजुएला मॉडल, तेहरान के जवाब का इंतजार

ईरान का युद्ध खत्म होने के बाद क्या होगा?

- ईरान छोड़ने के मूड में नहीं अमेरिका।
- वेनेजुएला मॉडल लागू करने की तैयारी।
- ईरान के तेल पर अपना कंट्रोल चाहते

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि ईरान के साथ युद्ध खत्म होने के बाद भी अमेरिका वहां अपनी मौजूदगी बनाए रख सकता है और जरूरत पड़ने पर ईरान के तेल संसाधनों पर नियंत्रण कर सकता है। युद्ध के चलते वैश्विक तेल बाजार में कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को संकेत दिया कि युद्ध खत्म होने के बाद भी अमेरिका ईरान के आस-पास अपनी मौजदूगी बनाए रख सकता है और उसके तेल संसाधनों पर नियंत्रण कर सकता है। ट्रंप ने इसकी तुलना वेनेजुएला में निकोलस मादुरो के सत्ता से हटाए जाने के बाद अमेरिका की भूमिका से की। आयरलैंड दौरे के दौरान आयरिश ओपन गोल्फ चैंपियनशिप में बोलते हुए ट्रंप ने कहा कि अमेरिका अंततः ईरान से बाहर निकल जाएगा, लेकिन अगर जरूरत पड़ी तो वह वहां रुककर 'वनेजुएला की तरह तेल अपने पास रख सकता है।' हालांकि ट्रंप के इस बयान पर अब तक ईरान ने किसी भी तरह का पलटवार नहीं किया है।

मध्यावधि चुनाव के बाद खत्म हो सकता है युद्ध

ट्रंप ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि ईरान के साथ युद्ध 'मध्यावधि चुनाव के ठीक बाद, शायद उससे पहले' खत्म हो जाएगा। उनका इशारा नवंबर में होने वाले अमेरिकी मध्यावधि चुनावों की ओर था। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान लगातार अमेरिका से संपर्क कर रहा है और समझौते के लिए बातचीत की कोशिश कर रहा है। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि वॉशिंगटन केवल उसी समझौते को स्वीकार करेगा जो उसकी शर्तों और मांगों के अनुरूप होगा। उन्होंने कहा, 'हमें सही समझौता करना होगा।' साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वह ऐसा कोई समझौता स्वीकार नहीं करेंगे जो 'अच्छा समझौता' न हो।

युद्ध का असर ऊर्जा बाजार पर

ट्रंप की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब जारी संघर्ष का असर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर भी दिखाई दे रहा है। कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई हैं, जबकि अमेरिका में डीजल की कीमत रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचकर 6.20 डॉलर प्रति गैलन से अधिक हो गई है। ट्रंप ने दावा किया कि युद्ध खत्म होते ही अमेरिका में पेट्रोल की कीमतें 'चट्टान की तरह तेजी से नीचे गिरेंगी।'

वेनेजुएला में अमेरिकी सैन्य कार्रवाई का संदर्भ

ईरान को लेकर ट्रंप की टिप्पणी का संबंध वेनेजुएला में अमेरिका की हालिया सैन्य कार्रवाई से भी जोड़ा जा रहा है। अमेरिका ने 3 जनवरी को वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ लिया था। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, इस अभियान की कई महीनों तक तैयारी की गई थी। अमेरिकी स्पेशल फोर्सेज ने इसकी व्यापक रिहर्सल की थी, जिसमें मादुरो के सुरक्षित ठिकाने की प्रतिकृति तैयार कर अभ्यास किया गया था। मादुरो की गतिविधियों से जुड़ी खुफिया जानकारी जुटाने में सीआईए ने भी अमेरिकी बलों की मदद की थी।

मादुरो और उनकी पत्नी को काराकस से अमेरिका लाया गया

अमेरिकी सैनिकों ने मादुरो और उनकी पत्नी को वेनेजुएला की राजधानी काराकस से हिरासत में लिया और बाद में दोनों को अमेरिका ले जाया गया, जहां मादुरो को आपराधिक आरोपों का सामना करना है। यह कार्रवाई ट्रंप प्रशासन की ओर से वेनेजुएला पर कई महीनों तक बनाए गए दबाव के बाद की गई।

वेनेजुएला के तेल क्षेत्र में बढ़ा अमेरिकी दखल

मादुरो को हटाए जाने के बाद वॉशिंगटन ने वेनेजुएला के तेल क्षेत्र में बड़ी भूमिका निभाने की दिशा में कदम बढ़ाए। इसमें तेल की बिक्री पर नियंत्रण और ऐसे समझौतों को आगे बढ़ाना शामिल है, जिनके जरिए अमेरिकी कंपनियों और हितों को वेनेजुएला के विशाल कच्चे तेल भंडार तक पहुंच मिल सके।

क्या ईरान में भी दोहराया जाएगा वेनेजुएला मॉडल?

ट्रंप की ताजा टिप्पणी से अब यह संभावना सामने आई है कि अमेरिका ईरान के मामले में भी वेनेजुएला जैसा आर्थिक मॉडल अपनाने पर विचार कर सकता है। इसका मतलब यह होगा कि ईरान में अमेरिकी मौजूदगी केवल सुरक्षा और सैन्य उद्देश्यों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि देश के विशाल तेल भंडार और ऊर्जा संसाधनों तक पहुंच भी अमेरिकी रणनीति का हिस्सा बन सकती है।

राष्ट्रपति चुनाव 2028: जेडी वेंस के समर्थन पर ट्रंप का सस्पेंस बरकरार; बोले- कई बेहतरीन लोगों का विकल्प खुला

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2028 के राष्ट्रपति चुनाव के लिए उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का समर्थन करने पर कहा कि अभी बहुत जल्दी है। ट्रंप ने वेंस की तारीफ की, लेकिन कई अन्य नेताओं को भी मजबूत बताया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2028 के राष्ट्रपति चुनाव के लिए उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के समर्थन के सवाल पर फिलहाल कोई स्पष्ट घोषणा नहीं की है। उन्होंने कहा कि किसी उम्मीदवार का समर्थन करने के लिए अभी काफी समय है। हालांकि, ट्रंप ने वेंस की जमकर तारीफ की और उन्हें शानदार बताया। आयरलैंड के शैनन में एयर फोर्स वन में सवार होने से पहले पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप से पूछा गया कि क्या वह 2028 के चुनाव के लिए वेंस का समर्थन करने को तैयार हैं। इस पर उन्होंने कहा कि अभी ऐसा करना जल्दबाजी होगी। ट्रंप ने कहा कि उनके पास कई शानदार लोग हैं और पार्टी के पास विकल्पों की कोई कमी नहीं है।

ट्रंप ने वेंस की तारीफ की

ट्रंप से जब पूछा गया कि वेंस के मुकाबले कौन सबसे मजबूत उम्मीदवार हो सकता है, तो उन्होंने किसी एक नाम का चुनाव करने से इनकार किया। उन्होंने कहा कि सभी अच्छे हैं और जेडी वेंस शानदार हैं। ट्रंप ने यह भी कहा कि वेंस ने बहुत अच्छा काम किया है। इस बयान से साफ है कि ट्रंप फिलहाल 2028 के लिए अपने उत्तराधिकारी के नाम पर सार्वजनिक रूप से कोई अंतिम रुख नहीं अपनाना चाहते। हालांकि, वेंस को लेकर उनकी सकारात्मक टिप्पणियां लगातार चर्चा में बनी हुई हैं।

पहले निजी बैठक में वेंस के समर्थन के संकेत दे चुके हैं ट्रंप

इससे पहले अगस्त में ट्रंप ने वॉशिंगटन पोस्ट की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि ट्रंप ने ओवल ऑफिस में दानदाताओं के साथ एक निजी बैठक के दौरान वेंस की संभावित उम्मीदवारी को लेकर अधिक स्पष्ट रुख दिखाया था। रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने वहां कहा था कि अंततः जेडी वेंस को निर्वाचित कराना होगा। हालांकि, उस समय ट्रंप के सलाहकारों ने संकेत दिया था कि राष्ट्रपति ने अभी अपने उत्तराधिकारी को लेकर अंतिम फैसला नहीं किया है। ट्रंप जेडी वेंस के साथ विदेश मंत्री मार्को रुबियो की संभावनाओं पर भी विचार कर रहे थे।

वेंस और रुबियो को लेकर पार्टी में चर्चा

रिपोर्ट के मुताबिक, उस दौरान ट्रंप अपने सहयोगियों से वेंस और रुबियो की तुलना को लेकर लगातार सवाल करते रहे थे। यहां तक कि मरीन वन में यात्रा के दौरान उन्होंने स्टाफ से दोनों नेताओं को लेकर अनौपचारिक राय भी ली थी। अगस्त में ट्रंप के एक करीबी सलाहकार ने दावा किया था कि राष्ट्रपति निजी तौर पर यह मान चुके हैं कि वेंस MAGA आंदोलन की कमान संभालेंगे। हालांकि, रिपब्लिकन पार्टी से जुड़े कई लोगों ने इन अटकलों को अभी जल्दबाजी बताया था। उनका कहना था कि ट्रंप अलग-अलग राय पर विचार करते रहते हैं और उत्तराधिकारी को लेकर तस्वीर आगामी कांग्रेस मध्यावधि चुनाव के नतीजों के बाद ज्यादा स्पष्ट हो सकती है।

वजन घटाने की दवाओं से गंजेपन का खतरा: ओजेम्पिक-वेगोवी पर नया अध्ययन, आनुवंशिक जोखिम में 7% इजाफा

वजन घटाने और टाइप-2 डायबिटीज के इलाज में इस्तेमाल होने वाली ओजेम्पिक, वेगोवी और जेपबाउंड जैसी दवाओं को लेकर नए अध्ययन में बाल झड़ने का संभावित खतरा सामने आया है। एनवाईयू लैंगोन हेल्थ के शोधकर्ताओं के अनुसार, पुरुष-पैटर्न गंजेपन के प्रति आनुवंशिक रूप से संवेदनशील पुरुषों में जोखिम करीब 7 प्रतिशत अधिक हो सकता है। अब तक तेजी से वजन घटने को बाल झड़ने की प्रमुख वजह माना जाता था, लेकिन अध्ययन दवाओं के सीधे जैविक असर की संभावना की ओर भी इशारा करता है। वजन कम करने और टाइप-2 डायबिटीज को नियंत्रित करने के लिए तेजी से लोकप्रिय हुई ओजेम्पिक, वेगोवी और जेपबाउंड जैसी दवाओं को लेकर एक नई चिंता सामने आई है। न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी (एनवाईयू) लैंगोन हेल्थ के शोधकर्ताओं के अध्ययन में संकेत मिला है कि जिन पुरुषों में आनुवंशिक रूप से पुरुष-पैटर्न गंजेपन की आशंका पहले से अधिक है, उनमें इन दवाओं से जुड़े जीएलपी-1 असर के कारण बाल झड़ने का जोखिम करीब 7 प्रतिशत बढ़ सकता है। यह निष्कर्ष इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इन दवाओं का इस्तेमाल करने वाले पुरुषों और महिलाओं, दोनों में बाल पतले होने या अधिक झड़ने की शिकायत पहले सामने आ चुकी है। अब तक इसका प्रमुख कारण तेजी से वजन कम होना माना जाता रहा है। नए अध्ययन से संकेत मिलता है कि कुछ मामलों में इसके पीछे दवा का शरीर और बालों की जड़ों पर सीधा जैविक असर भी हो सकता है। ओजेम्पिक और वेगोवी में सेमाग्लूटाइड तथा जेपबाउंड में टिरजेपाटाइड जैसे पदार्थ होते हैं। ये दवाएं शरीर में प्राकृतिक रूप से बनने वाले जीएलपी-1 हार्मोन की तरह काम करती हैं। जीएलपी-1 भोजन के बाद शरीर को यह संकेत देने में मदद करता है कि अब पर्याप्त ऊर्जा मिल चुकी है। इससे भूख कम होती है, पेट अपेक्षाकृत देर से खाली होता है और शरीर में इंसुलिन की प्रतिक्रिया बेहतर होती है। नतीजे में ब्लड शुगर नियंत्रित करने में मदद मिलती है और व्यक्ति कम खाना खाता है, जिससे वजन घटता है। ओजेम्पिक मुख्य रूप से टाइप-2 डायबिटीज के इलाज के लिए इस्तेमाल होती है, जबकि वेगोवी को मोटापे या अधिक वजन के प्रबंधन के लिए मंजूरी मिली है। जेपबाउंड भी वजन घटाने के लिए इस्तेमाल की जाती है और इसका असर जीएलपी-1 के साथ एक अन्य हार्मोन संबंधी मार्ग पर भी होता है।

वजन घटने से अलग भी हो सकता है असर

शोधकर्ताओं ने जीएलपी-1 रिसेप्टर से जुड़े जीएलपी1आर जीन की गतिविधि और पुरुषों में होने वाले एंड्रोजेनेटिक एलोपेसिया यानी पुरुष-पैटर्न बाल झड़ने के आनुवंशिक आंकड़ों की तुलना की। जिन आनुवंशिक बदलावों से शरीर में जीएलपी-1 रिसेप्टर प्रोटीन की मात्रा अधिक होने का संकेत मिलता था, वे पुरुष-पैटर्न गंजेपन वाले पुरुषों में अधिक पाए गए। शोधकर्ताओं ने हाई ब्लड प्रेशर जैसे दूसरे जोखिम कारकों को भी विश्लेषण में शामिल किया। उच्च रक्तचाप को बालों की जड़ों तक रक्त प्रवाह और बालों के विकास पर असर डालने वाला संभावित कारक माना जाता है। लेकिन इसे ध्यान में रखने के बाद भी करीब 7 प्रतिशत का अतिरिक्त जोखिम बना रहा।

इंसुलिन रेजिस्टेंस और कम टेस्टोस्टेरोन जैसे अन्य संभावित कारण भी इस संबंध को पूरी तरह नहीं समझा सके।इसका अर्थ यह नहीं है कि जीएलपी-1 दवा लेने वाले हर पुरुष के बाल झड़ेंगे। अध्ययन ने यह भी साबित नहीं किया है कि दवा सीधे तौर पर गंजापन पैदा करती है। इसके बजाय आनुवंशिक आंकड़ों से संभावित कारणात्मक संबंध का संकेत मिला है, जिसकी पुष्टि के लिए आगे के अध्ययन जरूरी हैं।

भविष्य में दवा से पहले हो सकती है आनुवंशिक जांच

शोधकर्ताओं का कहना है कि यदि आगे के प्रयोग इन निष्कर्षों की पुष्टि करते हैं तो भविष्य में कुछ पुरुषों, और संभवतः महिलाओं में भी, दवा शुरू करने से पहले बाल झड़ने के आनुवंशिक जोखिम की जांच की जा सकती है। ज्यादा जोखिम वाले मरीजों में बालों की सुरक्षा के लिए मिनॉक्सिडिल जैसे उपचारों को जीएलपी-1 दवाओं के साथ इस्तेमाल करने की संभावना पर भी विचार किया जा सकता है। यह अध्ययन जर्नल ऑफ इन्वेस्टिगेटिव डर्मेटोलॉजी में ऑनलाइन प्रकाशित हुआ है। शोधकर्ताओं ने दो बड़े सार्वजनिक आनुवंशिक डेटाबेस का इस्तेमाल किया, जिनमें कुल मिलाकर लाखों आनुवंशिक आंकड़ों का प्रतिनिधित्व करने वाले बड़े समूह शामिल थे। हालांकि अध्ययन में मुख्य रूप से पुरुषों के आंकड़ों का इस्तेमाल हुआ, इसलिए महिलाओं में यही संबंध मौजूद है या नहीं, यह अभी स्पष्ट नहीं है।

गंजापन सिर के आगे और ऊपर से शुरू होता है

पुरुष-पैटर्न गंजापन आमतौर पर सिर के आगे और ऊपर के हिस्से से बाल पतले होने के रूप में शुरू होता है। आनुवंशिक रूप से संवेदनशील लोगों में उम्र के साथ इसकी संभावना बढ़ती है। इसलिए नए निष्कर्ष का सबसे अहम संदेश यह है कि जीएलपी-1 दवाओं के संभावित बाल झड़ने के असर को केवल तेजी से वजन घटने से जोड़कर देखने के बजाय आनुवंशिक संवेदनशीलता और दवा के जैविक प्रभाव को भी समझना जरूरी हो सकता है।

विदेश के समाचार: सिंगापुर में भारतवंशी सीईओ की याचिका खारिज, पूर्व प्रेमिका से वसूलने थे 3.5 करोड़ रुपये

सिंगापुर की एक अदालत ने भारतीय मूल के एक सीईओ को अपनी पूर्व प्रेमिका पर खर्च किए गए करीब 3.5 करोड़ रुपये से अधिक की राशि वसूलने की याचिका खारिज कर दी। अदालत ने कहा, अधिकांश राशि उसने अपनी पूर्व प्रेमिका को उपहार के तौर पर दी थी। मुंबई में सूचीबद्ध एक कंपनी के सीईओ चंदर अग्रवाल ने अपनी पूर्व प्रेमिका पर मुकदमा दायर कर उसके ऊपर खर्च की गई विभिन्न रकम वापस मांगी थी। अग्रवाल का दावा था कि यह राशि ऋण के तौर पर दी गई थी और उसे वापस किया जाना था। इन खर्चों में विदेश यात्राओं, उसके फ्लैट के लिए फेंगशुई विशेषज्ञ की सेवाएं और स्टैनफोर्ड-एनयूएस के कार्यकारी कार्यक्रम की फीस शामिल थी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, दोनों की मुलाकात 2019 में एक उड़ान के दौरान हुई थी। इसके बाद अग्रवाल ने सोशल मीडिया के जरिए उससे संपर्क किया और दोनों की मुलाकातों का सिलसिला शुरू हो गया। इसके बाद सितंबर 2022 में अग्रवाल ने उसे कई महंगे उपहार दिए थे। उन्होंने एक बार डिनर के बाद उसे घर छोड़ने के लिए लिमोजिन बुक की, उसके लिए महंगी वस्तुएं खरीदीं और साथ में यूरोप यात्रा के दौरान उसके लगभग सभी खर्च उठाए। हालांकि, दोनों का रिश्ता दिसंबर 2023 में खत्म हो गया था। अग्रवाल को संदेह था कि वो उसे धोखा दे रही है।

2028 के चुनाव को लेकर ट्रंप ने क्या बयान दिया?

अमेरिका में राष्ट्रपति ट्रंप का दूसरा कार्यकाल लगातार चर्चा में है। कभी उनकी टीम के अधिकारियों के इस्तीफे पर चर्चा होती है तो कभी देश की राजनीति में नंबर दो माने जाने वाले उपराष्ट्रपति को लेकर अटकलें लगती हैं। ताजा घटनाक्रम में ट्रंप ने 2028 में अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने मौजूदा अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का समर्थन करने से जुड़े सवाल को लेकर कहा, अभी बहुत जल्दी है। वह बहुत बढ़िया शख्स हैं... हमारे पास बहुत सारे अच्छे विकल्प हैं... वे सभी बहुत अच्छे हैं।' भारतवंशी महिला उषा से शादी करने वाले अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तुलना में थोड़े नरम तेवरों के लिए जाने जाते हैं। इसकी मिसाल उस समय दिखी थी, जब पश्चिम एशिया में तनाव के बीच ईरान ने ट्रंप के दामाद कुशनर और एक अन्य वार्ताकार विटकॉफ की जगह बातचीत के लिए वेंस को पहली पसंद बताया था। खुद वेंस ने भी साफ किया था कि अमेरिका किसी लंबी जंग का हिस्स नहीं बनेगा।

अर्थ जगत: 560 करोड़ की बिजली ट्रांसमिशन परियोजना, SPV हस्तांतरित; आरईसी ने पहला टोकन कॉरपोरेट बॉन्ड जारी किया

आरईसी ने देश में पहला टोकन वाला कॉरपोरेट बॉन्ड जारी किया

आरईसी लिमिटेड ने भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के रेगुलेटरी सैंडबॉक्स के तहत देश में पहला टोकनाइज्ड कॉरपोरेट बॉन्ड जारी किया है। इस पायलट योजना के तहत कंपनी ने 500 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इस बॉन्ड के लिए निवेशकों से 796 करोड़ रुपये की बोलियां मिलीं। आरईसी ने 1 साल 9 महीने की अवधि वाले बॉन्ड के लिए 7.30 प्रतिशत सालाना ब्याज तय किया है। इसके लिए एनएसई के इलेक्ट्रॉनिक बोली मंच पर प्रक्रिया पूरी की गई। कंपनी के अनुसार, टोकन वाली व्यवस्था से बॉन्ड के भुगतान, आवंटन और शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने की प्रक्रिया एक ही दिन में पूरी हो गई। इन बॉन्ड को एनएसई और बीएसई पर सूचीबद्ध किया गया है। कंपनी के मुताबिक, यह कदम देश के बॉन्ड बाजार में नई तकनीक के इस्तेमाल की दिशा में महत्वपूर्ण शुरुआत है।भारत का पुस्तक प्रकाशन बाजार 2030-31 तक बढ़कर करीब दो लाख करोड़ रुपये का हो सकता है। पैनडेशन ऑफ इंडियन पब्लिशर्स (एफआईपी) ने नीलसनआईक्यू बुकडाटा के साथ मिलकर 'इंडिया बुक मार्केट प्रोफाई 2026-2030' जारी की है। रिपोर्ट में देश के तेजी से बढ़ते प्रकाशन क्षेत्र का आकलन किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, पुस्तकों और प्रकाशन से जुड़ी सेवाओं की बढ़ती मांग से बाजार को गति मिल रही है। इसमें छपी पुस्तकों के साथ डिजिटल और शैक्षणिक प्रकाशन, भारतीय भाषाओं की पुस्तकों और शिक्षा क्षेत्र की भूमिका का भी अध्ययन किया गया है। इसके साथ ही लेखकों और प्रकाशकों के अधिकारों की रक्षा तथा पुस्तकों की सामग्री पर अधिकार को सुरक्षित रखना भी जरूरी होगा।

आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड (आरईसीपीडीसीएल) ने महाराष्ट्र की राज्यांतर्गत बिजली ट्रांसमिशन परियोजना की कंपनी मुसलगांव पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड को सफल बोलीदाता महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिसिटी ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड को सौंप दिया है। यह हस्तांतरण नौ सितंबर को किया गया। करीब 560 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली इस परियोजना को 12 महीने में पूरा करने का लक्ष्य है। परियोजना के तहत, मुसलगांव में 220/132/33 केवी का नया बिजली उपकेंद्र बनाया जाएगा। इसके अलावा मुसलगांव से बाबलेश्वर और रेमंड तक करीब 111 किलोमीटर लंबी 220 केवी डबल सर्किट लाइन तथा मुसलगांव से सिन्नर तक करीब 13 किलोमीटर लंबी 132 केवी डबल सर्किट लाइन बिछाई जाएगी। परियोजना के लिए आरईसीपीडीसीएल ने टैरिफ आधारित प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया कराई थी। इसमें महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिसिटी ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड सफल बोलीदाता रही। परियोजना को बिल्ड, ओन, ऑपरेट एंड ट्रांसफर (बीओओटी) आधार पर विकसित किया जाएगा।

भारत-ईयू एफटीए: यूरोप में भारतीय कारों पर घटेगा शुल्क, कितनी और कौन सी कारें होंगी सस्ती, देश को कितना फायदा?

भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते से भारतीय कारों के लिए यूरोपीय बाजार में बड़ी संभावनाएं बन सकती हैं। पहले साल 2.5 लाख भारतीय कारों को 8 प्रतिशत शुल्क पर प्रवेश मिलेगा और 10वें साल यह संख्या 4 लाख तक पहुंच जाएगी। शुल्क भी पांचवें साल शून्य हो जाएगा। लेकिन इसका फायदा किन कारों को मिलेगा, इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए क्या व्यवस्था है और इससे भारत को कितना लाभ हो सकता है? आइए, सबकुछ विस्तार से समझते हैं.भारत और यूरोपीय संघ के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते यानी एफटीए में भारतीय कारों के लिए यूरोपीय बाजार का रास्ता आसान करने का प्रावधान किया गया है। समझौते के मसौदे के अनुसार, पहले साल भारत में बनी 2.5 लाख यात्री कारों को यूरोपीय संघ के बाजार में 8 प्रतिशत रियायती शुल्क पर प्रवेश मिलेगा। यह संख्या धीरे-धीरे बढ़कर समझौते के 10वें साल से 4 लाख वाहन सालाना हो जाएगी। खास बात यह है कि इन कारों पर लगने वाला शुल्क भी चरणबद्ध तरीके से घटाया जाएगा और पांचवें साल से शून्य हो जाएगा।

इलेक्ट्रिक कारों के लिए क्या अलग व्यवस्था है?

बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन यानी बीईवी, प्लग-इन हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन यानी पीएचईवी और आईसीई तथा एचईवी के अलावा दूसरी तकनीक वाली यात्री कारों के लिए अलग टैरिफ रेट कोटा रखा गया है। 40 हजार यूरो तक की सीआईएफ कीमत वाली इन कारों के लिए यह व्यवस्था समझौते के पांचवें साल से शुरू होगी। शुरुआत में 27,500 वाहनों को 8 प्रतिशत शुल्क पर प्रवेश मिलेगा। यह कोटा नौवें साल 60,500 और 14वें साल से 1.25 लाख वाहन सालाना हो जाएगा। इस श्रेणी का शुल्क नौवें साल से खत्म हो जाएगा।

कितनी भारतीय कारों को मिलेगा कम शुल्क का फायदा?

पहले साल 2.5 लाख भारतीय कारों को रियायती शुल्क पर यूरोपीय बाजार में प्रवेश मिलेगा। यह व्यवस्था भारतीय मूल की आंतरिक दहन इंजन यानी आईसीई कारों और हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहनों यानी एचईवी के लिए है। हालांकि, इसके लिए कार की सीआईएफ कीमत 50 हजार यूरो तक होनी चाहिए। सीआईएफ कीमत में वाहन की वास्तविक खरीद कीमत के साथ उसे यूरोपीय संघ के बंदरगाह तक पहुंचाने का माल ढुलाई खर्च और बीमा शामिल होता है। इस तय कोटे के भीतर आने वाली कारों पर पहले साल 8 प्रतिशत शुल्क लगेगा।भारतीय कारों के लिए शुल्क में एक साथ कटौती नहीं होगी। इसे धीरे-धीरे कम किया जाएगा। समझौता लागू होने के पहले साल शुल्क 8 प्रतिशत रहेगा। दूसरे साल यह घटकर 6 प्रतिशत हो जाएगा। तीसरे साल 4 प्रतिशत और चौथे साल 2 प्रतिशत रह जाएगा। पांचवें साल से यह शुल्क पूरी तरह शून्य हो जाएगा। यानी तय कोटे के भीतर आने वाली पात्र भारतीय कारों को पांचवें साल से यूरोपीय बाजार में बिना आयात शुल्क के प्रवेश मिलेगा। रियायती शुल्क के साथ कारों की संख्या भी धीरे-धीरे बढ़ाई जाएगी। पहले साल 2.5 लाख वाहनों से शुरुआत होगी। इसके बाद हर साल कोटा बढ़ता जाएगा और 10वें साल से यह 4 लाख वाहन सालाना हो जाएगा।

इसका मतलब है कि समझौते के शुरुआती वर्षों की तुलना में भारतीय कारों के लिए यूरोपीय बाजार तक पहुंच काफी बढ़ सकती है। हालांकि, तय कोटे से ज्यादा वाहनों पर सामान्य एमएफएन यानी सबसे पसंदीदा देश वाला शुल्क लागू होगा।

50 हजार यूरो से महंगी कारों का क्या होगा?

50 हजार यूरो से ज्यादा कीमत वाली कारों को इस कोटा आधारित रियायती शुल्क का फायदा नहीं मिलेगा। हालांकि, ऐसी कारों के लिए भी शुल्क में धीरे-धीरे कमी का प्रावधान है। इन वाहनों पर पहले साल 8 प्रतिशत शुल्क रहेगा और समझौते के 10वें साल यह शुल्क शून्य हो जाएगा। यानी कीमत के आधार पर कारों के लिए अलग-अलग व्यवस्था रखी गई है। 50 हजार यूरो तक की कारों को शुरुआती वर्षों में कोटा के भीतर विशेष रियायत मिलेगी।

पैसा लौटाओ, फिर कर्ज उठाओ: रिवॉल्विंग क्रेडिट का ऐसा चक्र, जो कारोबार को संभाले भी और फंसा भी दे; समझें खेल

एक ही सुविधा, दो अलग कहानियां

रिवॉल्विंग क्रेडिट को समझने के लिए दो तस्वीरें देखनी होंगी। पहली तस्वीर एक कारोबारी की है-मान लीजिए किसी व्यापारी को 10 लाख रुपये की ऋण सीमा मिली। उसे इस महीने चार लाख रुपये की जरूरत पड़ी। उसने उतना पैसा इस्तेमाल किया। कुछ दिन बाद ग्राहक से भुगतान आया और उसने रकम वापस कर दी। अब वही सीमा फिर से उपलब्ध है। यह कारोबार के नकदी चक्र को चलाने वाली सुविधा है।दूसरी तस्वीर एक उपभोक्ता की है- मोबाइल पर संदेश आता है "आपके लिए 2 लाख रुपये की तत्काल ऋण सीमा उपलब्ध है।" जरूरत के समय पैसा मिल गया। अगले महीने वेतन आया तो कुछ रकम जमा कर दी। सीमा फिर खुल गई और कुछ समय बाद दोबारा इस्तेमाल हो गई। यहीं से खतरा शुरू होता है। क्योंकि कारोबारी के लिए यह सुविधा भविष्य की कमाई पैदा करने का माध्यम हो सकती है, लेकिन उपभोक्ता के लिए यही सुविधा कई बार भविष्य की आय को आज खर्च करने का रास्ता बन जाती है।रिवॉल्विंग क्रेडिट में एक सीमा तय होती है। ग्राहक पूरी सीमा या जरूरत के हिसाब से उसका कुछ हिस्सा इस्तेमाल करता है। ब्याज केवल इस्तेमाल की गई रकम पर लगता है और भुगतान के बाद उपलब्ध सीमा दोबारा खुल सकती है। यही लचीलापन इसे उपयोगी भी बनाता है और जोखिम भरा भी।

रिवॉल्विंग क्रेडिट कारोबार के लिए नकदी की जरूरत पूरी करने का उपयोगी साधन हो सकता है, लेकिन लगातार इस्तेमाल करने पर यह कर्ज का जाल भी बन सकता है। इसमें जरूरत के मुताबिक रकम निकालने और भुगतान के बाद सीमा दोबारा इस्तेमाल करने की सुविधा मिलती है। रिजर्व बैंक इसी वजह से कुछ एनबीएफसी उत्पादों को लेकर चिंतित है। उपलब्ध ऋण सीमा को आय समझना और सिर्फ न्यूनतम भुगतान करते रहना जोखिम बढ़ा सकता है।एक छोटे कारोबारी को आज कच्चा माल खरीदना है। मजदूरों की मजदूरी देनी है। बिजली का बिल भरना है। लेकिन जिस ग्राहक को उसने माल बेचा है, उसका भुगतान 60 दिन बाद आएगा। कारोबार घाटे में नहीं है। ऑर्डर भी हैं और मुनाफे की उम्मीद भी। समस्या सिर्फ इतनी है कि कमाई बाद में आएगी, लेकिन खर्च आज करना है। ऐसे कारोबारी को पांच साल के लिए 20 लाख रुपये का एकमुश्त कर्ज नहीं चाहिए। उसे चाहिए ऐसी सुविधा जिसमें जरूरत के समय पैसा मिले, भुगतान आने पर वह वापस हो जाए और अगली जरूरत के लिए वही सीमा फिर उपलब्ध हो जाए।यही है रिवॉल्विंग क्रेडिट यानी घूमती ऋण सुविधा। लेकिन अब इसी सुविधा को लेकर रिजर्व बैंक ने चिंता जताई है। रिजर्व बैंक ने गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों यानी एनबीएफसी के ऋण उत्पादों को लेकर एक मसौदा जारी किया है, जिसमें सामान्य एनबीएफसी को ऐसी घूमती ऋण-सुविधा देने पर रोक लगाने का प्रस्ताव है।

सस्ता ऑटो बीमा कहीं महंगा न पड़ जाए: आज प्रीमियम बचाएंगे, कल क्लेम में ज्यादा गंवाएंगे; इन बातों का रखें ध्यान

सस्ती ऑटो बीमा पॉलिसी हमेशा फायदे का सौदा नहीं होती। कम प्रीमियम के पीछे जरूरी कवरेज, ऐड-ऑन, कैशलेस गैराज या दूसरी शर्तों में बदलाव छिपा हो सकता है। पॉलिसी लेते या रिन्यू कराते समय इन बातों की जांच जरूरी है। क्लेम करने से नो-क्लेम बोनस पर भी असर पड़ सकता है। इसलिए केवल प्रीमियम देखकर बीमा चुनने के बजाय कवरेज और शर्तों को समझना ज्यादा जरूरी है। भारतीय उपभोक्ता सौदेबाजी का उस्ताद माना जाता है। कपड़े, जूते या मोबाइल खरीदते वक्त मोलभाव करके पैसे बचाना समझदारी हो सकती है, लेकिन बीमा बाजार में यह चतुराई सबसे बड़ी मूर्खता साबित होती है। बीमा कोई सामान्य उत्पाद नहीं है, इसका प्रीमियम कंपनी द्वारा लिए जाने वाले जोखिम की सटीक कीमत होता है। अगर प्रीमियम घट रहा है, तो इसका सीधा मतलब है कि आपका सुरक्षा कवच भी सिकुड़ रहा है। लेकिन उस छूट की असली कीमत क्लेम के वक्त पूरा होने पर चुकानी पड़ती है।

फ्री कुछ नहीं होता

फाइनेंशियल मार्केट का एक ही नियम है, देयर इज नो फ्री लंच। डिस्काउंट पूरी तरह कानूनी हो सकता है, लेकिन वह कभी मुफ्त नहीं होता। कभी प्रीमियम घटाने के लिए बाढ़ से होने वाले नुकसान का कवर हटा दिया जाता है, तो कभी गाड़ियों में ऑथराइज्ड नेटवर्क गैराज की शर्त जोड़ दी जाती है।

क्लेम का गणित: छोटा फायदा, बड़ा नुकसान

सिर्फ प्रीमियम ही नहीं, क्लेम करते वक्त भी समझदारी जरूरी है। मान लीजिए गाड़ी की विंडशील्ड टूट गई और खर्च 8,000 रुपये आया। इंश्योरेंस कंपनी यह क्लेम पास कर देगी, लेकिन इसके बदले आपका 50 फीसदी तक पहुंचा नो-क्लेम बोनस एक झटके में शून्य या काफी नीचे आ जाएगा। अगले साल रिन्यूअल पर आपको इस क्लेम से कहीं ज्यादा प्रीमियम भरना पड़ेगा। बीमा बचत का जरिया नहीं, अनहोनी से बचाव का वित्तीय सुरक्षा कवच है। जब आप प्रीमियम में चंद रुपये बचाने के लिए मोलभाव करते हैं, तो वास्तव में आप अपना ही हाथ काट रहे होते हैं। सबसे सस्ती पॉलिसी कभी सबसे सुरक्षित पॉलिसी नहीं होती। छूट असली हो सकती है,

रूस की रिफाइनरियों पर यूक्रेनी हमलों का असर: भारत से रिकॉर्ड पेट्रोल आयात; 2025 के कुल आयात को छोड़ा पीछे

भारत की रिफाइनरी से रूस को मिला रूसी कच्चे तेल से बना पेट्रोल
सीआरईए के मुताबिक, भारत से रूस भेजा गया पूरा पेट्रोल वाडिनार रिफाइनरी से लोड किया गया था। यह रिफाइनरी नायरा एनर्जी के नियंत्रण में है, जिसमें रूस की सरकारी तेल कंपनी रोसनेफ्ट की 49.13 प्रतिशत हिस्सेदारी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वाडिनार रिफाइनरी ने 2026 के शुरुआती आठ महीनों में अपनी जरूरत का पूरा कच्चा तेल रूस से खरीदा। इसकी तुलना में 2025 में रूसी कच्चे तेल की हिस्सेदारी 81 प्रतिशत थी।सीआरईए ने इस व्यापार को खास तौर पर उल्लेखनीय बताते हुए कहा कि रूस अपनी ही हिस्सेदारी वाली रिफाइनरी से अपने कच्चे तेल को ईंधन में बदलवा रहा है और फिर उसी ईंधन को वापस रूस मंगा रहा है।रिपोर्ट के मुताबिक, रूस के पेट्रोल आयात में यह बढ़ोतरी यूक्रेन के लगातार ड्रोन हमलों के बीच हुई है। यूक्रेन ने रूस की तेल रिफाइनरियों और ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाया है, जिससे घरेलू ईंधन उत्पादन प्रभावित हुआ और कुछ क्षेत्रों में पेट्रोल की कमी की स्थिति बनी।अगस्त में रूस के कुल तेल उत्पाद आयात में पेट्रोल की हिस्सेदारी 74 प्रतिशत रही। 2023 से 2025 के बीच यह औसतन केवल 6 प्रतिशत थी। इससे रूस की घरेलू ईंधन आपूर्ति पर हमलों के असर का अंदाजा लगाया जा सकता है।

यूक्रेन के लगातार ड्रोन हमलों से रूस की घरेलू तेल रिफाइनिंग क्षमता प्रभावित होने के बीच भारत से उसके ईंधन आयात में बड़ा उछाल आया है। सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) की मासिक रिपोर्ट के मुताबिक, रूस ने अगस्त में 1.72 लाख टन तेल उत्पादों का आयात किया। यह अब तक का सबसे ऊंचा मासिक स्तर है।रिपोर्ट के अनुसार, रूस के कुल तेल उत्पाद आयात में भारत की हिस्सेदारी करीब 70 प्रतिशत रही। भारत से रूस ने करीब 1.20 लाख टन पेट्रोल आयात किया, जिसकी कीमत लगभग 7.8 करोड़ यूरो आंकी गई है। अगस्त में रूस का ईंधन आयात पिछले मासिक रिकॉर्ड से सात गुना से भी अधिक रहा और पूरे 2025 में किए गए कुल आयात का करीब तीन गुना था। सीआरईए के अनुसार, वाडिनार से रूस भेजे गए पेट्रोल के प्रत्येक कार्गो को मिस्र के तट के पास जहाज-से-जहाज स्थानांतरण के जरिए दूसरे जहाज में स्थानांतरित किया गया। इसके बाद इसे रूस के आर्कटिक बंदरगाह बेलोये मोरे पर उतारा गया। रि

बॉन्ड में निवेश का लालच पड़ सकता है भारी: 11-15% रिटर्न के पीछे कितना जोखिम? पैसा लगाने से पहले ये बातें जानें

बॉन्ड को सुरक्षित निवेश मानकर आंख मूंदकर पैसा लगाना भारी पड़ सकता है। ज्यादा रिटर्न देने वाले बॉन्ड में क्रेडिट और डिफॉल्ट का जोखिम भी ज्यादा होता है। निवेश से पहले कंपनी की कमाई, कैश फ्लो, क्रेडिट रेटिंग, बॉन्ड की सुरक्षा, मैच्योरिटी और लिक्विडिटी जरूर जांचनी चाहिए। एक ही कंपनी में पूरा पैसा लगाने के बजाय अलग-अलग कंपनियों, सेक्टर और मैच्योरिटी में निवेश बांटना बेहतर रणनीति हो सकती है।बॉन्ड कोई डरावना निवेश नहीं है। सरकारी प्रतिभूतियों से लेकर उच्च गुणवत्ता वाले कॉरपोरेट बॉन्ड तक, डेट निवेश आपके पोर्टफोलियो को स्थिरता, तयशुदा आमदनी और विविधता दे सकता है। जरूरत सिर्फ इस बात की है कि रिटर्न के साथ-साथ उससे जुड़े जोखिम को भी अच्छी तरह से समझा जाए...

भारतीय खुदरा निवेशक का स्वभाव गजब है। इक्विटी और वायदा-कारोबार में जब बाजार डराता है, तो वह सुरक्षित रिटर्न की तलाश में डेट मार्केट की ओर भागता है। लेकिन विडंबना देखिए, यहां भी वह बैंक एफडी के 7-7.5% के सुरक्षित रिटर्न से संतुष्ट नहीं है। उसे चाहिए 11, 13 या 15% का गारंटीड रिटर्न।

फिनटेक कंपनियों और ऑनलाइन बॉन्ड प्लेटफॉर्म्स ने खुदरा निवेशकों की इसी लालसा को भांप लिया है। सेबी ने जैसे ही आम लोगों के लिए बॉन्ड में न्यूनतम निवेश की सीमा 1 लाख से घटाकर 10,000 रुपये की, बाजार में आक्रामक विज्ञापनों की बाढ़ आ गई। दावा किया जा रहा है कि 'एफडी से 500 बेसिस पॉइंट यानी 5 फीसदी ज्यादा कमाएं'। आंकड़े गवाही दे रहे हैं, खुदरा निवेशक आंख मूंदकर दलदल में उतर रहे हैं।आईएनआर बॉन्ड्स के आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में हाई-यील्डिंग स्पेस (AA और उससे नीचे की रेटिंग वाले बॉन्ड) में रिटेल निवेशकों की हिस्सेदारी बढ़कर 5.8% हो गई है, जो वित्त वर्ष 2023-24 (3.8%) के मुकाबले 50% से ज्यादा का उछाल है। इसके उलट, सबसे सुरक्षित माने जाने वाले हाई-रेटेड (AAA) पेपर्स में रिटेल हिस्सेदारी गिरकर महज 0.2% रह गई। यानी कम रेटिंग वाले, जोखिम भरे जंक बॉन्ड्स में रिटेल का पैसा तेजी से झोंका जा रहा है। बॉन्ड कोई जादुई चिराग नहीं है, यह आपके द्वारा किसी कंपनी को दिया गया सीधा कर्ज है। अगर कोई कंपनी 14% पर आपसे पैसा ले रही है, तो सीधा मतलब है कि बैंकों ने उसे सस्ता कर्ज देने से मना कर दिया है।

राम गोपाल वर्मा: गैंगस्टर ड्रामा में रोमांस का तड़का लगाएंगे

मोहित सूरी और रामू नई फिल्म का किया एलान

Mohit Suri-RGV Movie: फिल्म 'सैयारा' के बाद मोहित सूरी नई फिल्म लेकर आ रहे हैं। इस बार फिल्म बनाने में राम गोपाल वर्मा भी साथ हैं। रामू ने दिलचस्प अंदाज में फिल्म का एलान किया है।

साल 2025 में आई मोहित सूरी निर्देशित फिल्म 'सैयारा' ने सिनेमाघरों में खूब बवाल काटा था। अब वे एक और फिल्म के साथ हाजिर होने वाले हैं। मोहित सूरी नई फिल्म राम गोपाल वर्मा के साथ बनाएंगे। रामू ने बड़े ही रोचक अंदाज में फिल्म की जानकारी फैंस के साथ साझा की है।

राम गोपाल वर्मा ने शेयर किया पोस्ट

राम गोपाल वर्मा और मोहित सूरी एक नई फिल्म पकाने वाले हैं। फिल्म के लिए पकाने जैसा शब्द इसलिए इस्तेमाल किया है, क्योंकि इन्होंने अपनी नई फिल्म का एलान ही कुछ इस अंदाज में किया, मानो कोई व्यंजन पेश करने वाले हैं।

राम गोपाल वर्मा ने अपने एक्स अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने अपनी और मोहित सूरी की एक तस्वीर शेयर की है। इसके साथ कैप्शन लिखा है, 'मैं और 'सैयारा' वाले मोहित सूरी अगली फिल्म साथ में पका रहे हैं। एक लव डिश जो गैंगस्टर करी से भरपूर होगी। पूरी डिटेल्स आप सभी को जल्द परोसी जाएंगी।

मोहित सूरी ने जताई खुशी

मोहित सूरी ने भी अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर यह फो री-शेयर की और RGV के लिए अपना लगाव जाहिर किया। उन्होंने लिखा, "उनकी फिल्में देखने और फिल्ममेकर बनने का सपना देखने से लेकर... उनके साथ फिल्म बनाने तक...और वो भी खुद 'OG गैंगस्टर' राम गोपाल वर्मा के साथ फिल्म बनाने का सपना मिला है। कुछ सफर सच में पूरे हो जाते हैं। यह बात सीधे दिल से निकल रही है'।

एलान के साथ फैंस उत्साहित

फिलहाल तो दोनों फिल्म मेकर्स ने एक छोटा सा अपडेट देकर फैंस का उत्साह बढ़ा दिया है। उम्मीद है कि जल्द ही वे पूरी जानकारी भी साझा करेंगे। फैंस के साथ-साथ सेलेब्स के भी रिएक्शन आ रहे हैं। शमिता शेट्टी ने लिखा, 'वाह'। वहीं, जाकिर खान ने कहा, 'भाई भाई भाई'। मोहिती सूरी की पत्नी, उदिता गोस्वामी ने भी पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी और कमेंट किया, 'वाह! आखिरकार ऐसा हो रहा है'।

आयुष्मान खुराना @42: कभी ट्रेन में गाते थे गाना

फिर जीता नेशनल अवॉर्ड पढ़ें चंडीगढ़ के जिद्दी लड़के की कहानी

Ayushmann Khurrana Birthday: बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना आज अपना 42वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर जानिए उनके जीवन के सफर के बारे में।

आयुष्मान खुराना बॉलीवुड के उन एक्टर्स में से एक हैं जिन्होंने 'कैंटेंट' और 'कमिटमेंट' से फिल्म इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाई है। आयुष्मान आज अपना 42वां जन्मदिन मना रहे हैं। उनका निशांत से आयुष्मान खुराना बनने तक का सफर आसान नहीं रहा है। जानिए कभी ट्रेन में गाना गाकर गुजारा करने वाले एक्टर ने कैसे जीता नेशनल अवॉर्ड।

ऐसे बदला एक्टर का नाम

आयुष्मान एक मिडिल क्लास परिवार से आते हैं। उनका जन्म 14 सितंबर 1984 को चंडीगढ़ के एक पंजाबी-हिन्दू परिवार में हुआ। पहले उनका नाम निशांत खुराना था, पर जब वो तीन साल के थे तो माता-पिता पूनम और पी खुराना ने एक ज्योतिष की सलाह के बाद उनका नाम बदलकर आयुष्मान रख दिया। पिता पेशे से ज्योतिषी थे।

कॉलेज में रहे थिएटर में एक्टिव

चंडीगढ़ में पले-बढ़े आयुष्मान की पढ़ाई-लिखाई भी वहीं हुई। कॉलेज के दिनों से ही थिएटर में एक्टिव रहे। डीएवी कॉलेज के थिएटर ग्रूप में जुड़कर उन्होंने कई नाटकों में एक्टिंग की। बचपन से उनकी रूचि गाने और कविता में भी रही।

आयुष्मान ने चंडीगढ़ से ग्रैजुएशन करने के बाद पंजाब विश्वविद्यालय से मास्टर्स इन मास कम्युनिकेशन किया। बिट्स पिलानी, सेंट बेड्स शिमला और IIT बॉम्बे के मंचों पर उन्होंने अवॉर्ड्स भी जीते। ट्रेन में गाकर कमाए पैसे

जब आयुष्मान मुंबई आए तो उन्हें काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। उन्होंने बताया है कि उस समय उनके पास रहने के लिए घर भी नहीं था। एक दोस्त के घर पर रहते थे, जो मुंबई में मेडिकल की पढ़ाई कर रहा था। फिल्मों में हाथ आजमाने के बीच उन्होंने कॉलेज फेस्ट, शादियां, कार्यक्रमों और ट्रेन के डिब्बों में तक गाना शुरू कर दिया था, ताकि वे छोटी-मोटी कमाई कर पाएं। कपिल शर्मा के शो में उन्होंने बताया कि वो और उनके दोस्त ट्रेन में गाकर पैसे कमाते थे।

- फिल्मों से पहले टीवी में किया काम फिल्मों से पहले आयुष्मान ने टीवी में काफी काम किया।
- उन्होंने एमटीवी रोडीज सीजन 2 जीतकर पहले बड़ी पब्लिक प्रोफाइल हासिल की।
- इसके बाद वो रेडियो जॉकी के रूप में काम करने लगे।

गणेश चतुर्थी 2026:

इन एनिमेटेड फिल्मों के जरिए बप्पा से जुड़े बच्चे

Ganesh Animated Movies List: भगवान गणेश पर कई फिल्में बनी हैं, जो उनकी लीलाओं को दिखातीं हैं। ऐसे में जानिए ऐसी ही कुछ एनिमेटेड फिल्मों को बारे में, जिनमें भगवान गणेश की लीलाएं और बच्चों के साथ दोस्ती की खास झलक देखने को मिलती है। अगर आप गणेश चतुर्थी पर बच्चों के साथ कुछ ऐसा देखना चाहते हैं, जो मनोरंजन के साथ उन्हें भगवान गणेश से जुड़ी कहानियां भी बताए, तो एनिमेटेड फिल्में एक अच्छा विकल्प हैं। इन फिल्मों में भगवान गणेश के बचपन, उनकी शरारतों, उनकी समझदारी और उनके रोमांच को बेहद आसान अंदाज में दिखाया गया है।

बाल गणेश

भगवान गणेश पर बनी एनिमेटेड फिल्मों की बात हो तो 'बाल गणेश' का नाम सबसे पहले आता है। 2007 में आई इस फिल्म में गणेश जी के बचपन की प्यारी और मजेदार कहानियां देखने को मिलती हैं। इसमें उनके बाल रूप, उनकी शरारतों और भगवान शिव व माता पार्वती के साथ उनके रिश्ते को खूबसूरत तरीके से दिखाया गया है। बच्चों के लिए यह फिल्म मनोरंजन के साथ गणेश जी की कहानियों को समझने का आसान जरिया है।

'बाल गणेश' की सफलता के बाद साल 2009 में इसका दूसरा पार्ट 'बाल गणेश 2' रिलीज हुआ। इसमें बाल गणेश के रोमांच और उनकी कई नई कहानियां दिखाई गई हैं

बाल गणेश 3

साल 2015 में आई 'बाल गणेश 3' भी बच्चों के लिए बनाई गई एनिमेटेड फिल्म है। इसमें भगवान गणेश के बाल रूप से जुड़ी कहानियों को मजेदार अंदाज में पेश किया गया है। फिल्म में मनोरंजन के साथ बच्चों को अच्छी सीख देने की कोशिश भी की गई है।

माय फ्रेंड गणेशा

2007 में रिलीज हुई फिल्म 'माय फ्रेंड गणेशा' भी बच्चों के बीच काफी पसंद की गई है। कहानी में एक बच्चे और भगवान गणेश के बीच दोस्ती को दिखाया गया है। फिल्म में गणेश जी बच्चे की मुश्किलों में उसका साथ देते हैं और उसे हिम्मत भी देते हैं। फिल्म में एनिमेशन के साथ वास्तविक दुनिया के किरदार भी नजर आते हैं, जिससे कहानी बच्चों के लिए और दिलचस्प बन जाती है। अगर बच्चों को 'छोटा भीम' पसंद है, तो यह फिल्म उन्हें और भी ज्यादा पसंद आ सकती है। 2012 में आई 'छोटा भीम एंड गणेश इन द अमेजिंग ओडिसी' में छोटा भीम और उसके दोस्तों के साथ भगवान गणेश भी नजर आते हैं। कहानी में रोमांच, मस्ती और कई मजेदार पल देखने को मिलते हैं। गणेश चतुर्थी के मौके पर बच्चों के साथ इसे देखना एक अच्छा फैमिली टाइम हो सकता है।

रामायण: कब जारी होगा फिल्म का पहला गाना 'जय जय राम'? मेकर्स ने दी जानकारी एआर रहमान और अरिजीत करेंगे सहयोग

Ramayana First Song: फिल्म 'रामायण' को लेकर एक बड़ी अपडेट सामने आई है। मेकर्स 14 सितंबर को इसके म्यूजिकल कैंपेन की शुरुआत करने जा रहे हैं। आइए जानते हैं यह कैंपेन कितने बजे से शुरू होगा। नितेश तिवारी की अपकमिंग फिल्म 'रामायण' पहले से ही खूब चर्चा में है। अब मेकर्स गणेश चतुर्थी पर फिल्म के म्यूजिकल कैंपेन की शुरुआत करने जा रहे हैं। रणबीर कपूर, साई पल्लवी और यश स्टारर इस बहुप्रतीक्षित फिल्म का 'सिया राम पोस्टर' रिलीज किया जाएगा। इसके बाद फिल्म का पहला गाना 'जय जय राम' पेश किया जाएगा।

कौन है गाने का कंपोजर?

'सिया राम पोस्टर' 14 सितंबर (सोमवार) को सुबह 7:30 बजे गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर जारी किया जाएगा। पोस्टर जारी होने के तुरंत बाद, मेकर्स 'रामायण' का पहला गाना 'जय जय राम' रिलीज करेंगे। इस गाने को ए.आर. रहमान ने कंपोज किया है और डॉ. कुमार विश्वास ने इसके बोल लिखे हैं, जबकि श्रेया घोषाल और अरिजीत सिंह ने अपनी आवाज दी है।

मेकर्स ने किया एलान

ए.आर. रहमान, श्रेया घोषाल और अरिजीत सिंह के इस सहयोग ने गाने को लेकर फैंस में उत्सुकता बढ़ा दी है। मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर एक नोट के साथ यह जानकारी दी। उन्होंने लिखा 'हर शुभ शुरुआत एक प्रार्थना के साथ होती है। इस गणेश चतुर्थी पर, सुबह 7:30 बजे हमारे 'सिया राम पोस्टर' के अनावरण के साथ 'रामायण' की म्यूजिकल यात्रा शुरू हो रही है। इसके तुरंत बाद हमारा पहला म्यूजिकल तोहफा, 'जय जय राम' आएगा। संगीत: ए.आर. रहमान, बोल: डॉ. कुमार विश्वास, गायक: श्रेया घोषाल और अरिजीत सिंह।' इस पोस्ट को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'गणपति बप्पा के आशीर्वाद से, हम कल 'रामायण' की म्यूजिकल यात्रा शुरू कर रहे हैं।'नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी फिल्म 'रामायण' को दो हिस्सों में रिलीज किया जाएगा। इसमें रणबीर कपूर भगवान राम का रोल निभाएंगे, साई पल्लवी सीता का रोल करेंगी

वीकएंड का वार: 'बिग बॉस 20' से बाहर हुईं ये प्रतिभागी! वरदान से आया ट्विस्ट जानिए रविवार को शो में क्या हुआ

कौन हुआ घर से बेघर?

Bigg Boss 20 Weekend Ka Vaar: सलमान खान के मशहूर शो 'बिग बॉस 20' का आज रविवार का स्पेशल शो था। चार लोग घर से बेघर होने के लिए नॉमिनेटेड थे। मगर एक ट्विस्ट से पूरे शो का माहौल ही बदल गया। सलमान खान के शो 'बिग बॉस 20' का आज पहला वीकएंड का वार था। इस शो में घर से बेघर होने के लिए पहले हफ्ते चार लोग नॉमिनेट हुए थे। इनमें अरिश्फा खान, कनिका मान, लव गिल और उदिति सिंह शामिल थे। इनमें से आज कौन बाहर हुआ, यहां जानें

- वीकएंड का वार में क्या हुआ?शो में सलमान खान आए और उन्होंने बताया कि शो से बेघर होने के लिए सबसे कम वोट जिसे मिले हैं, वह उदिति को मिले हैं।
- उदिति घर से बेघर हो सकती थीं लेकिन एक बड़ा ट्विस्ट था।
- सलमान ने उनसे कहा कि क्योंकि इस बार बिग बॉस में तथास-टू है, यानि कि सबको स्पेशल वरदान मिला है।
- स्पेशल वरदान यह है कि सभी के पास दो-दो लाइफ लाइन हैं।
- उदिति की एक लाइफ लाइन चली गई, मगर अभी भी वह शो में मौजूद रहेंगी।
- अगर अगली बार वह नॉमिनेट होती हैं और उन्हें सबसे कम वोट मिलेंगे तो वह घर से बाहर हो जाएंगी।

सलमान खान ने खुलवाई माही और यंग की कंपनी

शो में सलमान खान ने प्रतिभागियों से फनी गेम खिलवाया। सलमान खान ने माही विज और यंग डीएसए से कहा कि आप दोनों ने मिलकर शो में मैरिज ब्यूरो खोला था, तो आइए आपकी कंपनी खोलते हैं। बताइए किसकी जोड़ी बनानी है? तो उन्होंने कनिका और गुल्लू को चुना। कनिका और गुल्लू को सलमान ने स्टेज पर बुलाया और उनसे एक रोमांटिक डांस कराया। दोनों ने 'इश्क वाला लव' गाने पर डांस किया। उनकी केमिस्ट्री देखकर दर्शक खुश हो गए।

Aaj ka Rashifal 14 September

मेष-कर्क राशि वालों की चमकेगी किस्मत! नौकरी और प्रेम के मामले में जानें क्या कहते हैं सितारे

14 सितंबर 2026, सोमवार का राशिफल लेकर आए हैं खास भविष्यफल। जानिए प्रेम, करियर, धन और स्वास्थ्य से जुड़े महत्वपूर्ण संकेत।

Aaj Ka Rashifal 14 September 2026: आज 14 सितंबर 2026 को ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति कई राशियों के जीवन में महत्वपूर्ण बदलाव और नए अवसर लेकर आ सकती है। किसी राशि के जातकों को करियर और कारोबार में सफलता मिलने के संकेत हैं, तो किसी को आर्थिक मामलों में सावधानी बरतने की जरूरत हो सकती है। प्रेम, परिवार, नौकरी, व्यापार, धन और स्वास्थ्य के लिहाज से भी आज का दिन अलग-अलग राशियों के लिए अलग प्रभाव लेकर आएगा। आज का राशिफल आपको यह समझने में मदद करेगा कि आपका दिन किस दिशा में आगे बढ़ सकता है और किन मामलों में आपको विशेष सावधानी रखनी चाहिए।जानिए 14 सितंबर 2026 का आज का राशिफल, आपके सितारे क्या कहते हैं और आज आपको किन अवसरों का लाभ उठाना चाहिए। तो आइए बिना देर किए जानते हैं

मेष

आज आपका ध्यान परिवार और घरेलू मामलों पर अधिक रहेगा। मंगल का प्रभाव आपको जबरदस्त ऊर्जा, साहस और आत्मविश्वास देगा, लेकिन इसी वजह से जल्दबाजी या गुस्सा भी बढ़ सकता है। सोच-विचार को व्यावहारिक बनाए रखें। प्रेम जीवन में पार्टनर का अच्छा सहयोग मिलेगा, हालांकि जरूरत से ज्यादा भावनात्मक अपेक्षाएं रिश्ते में तनाव ला सकती हैं। आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी और भविष्य की योजनाएं बनाने के लिए दिन अच्छा है, लेकिन भावनाओं में बहकर अनावश्यक खर्च न करें। करियर में सक्रियता बनी रहेगी और सहकर्मियों से तालमेल अच्छा रहेगा। वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत में धैर्य रखना आपके लिए फायदेमंद होगा। सेहत में तनाव, नींद या पाचन से जुड़ी छोटी परेशानी हो सकती है, इसलिए मन को शांत रखें।

वृषभ

आज यात्रा, व्यक्तिगत प्रयास और अपनी बात प्रभावी ढंग से रखने के मामले में दिन अच्छा रहेगा। सूर्य और बुध का प्रभाव आपके आत्मविश्वास और व्यावहारिक सोच को मजबूत करेगा, लेकिन भावनात्मक के कारण छोटी बात को बड़ा बनाने से बचें। प्रेम संबंधों में खुलकर और ईमानदारी से बातचीत करने से पुरानी गलतफहमियां दूर हो सकती हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत होने की संभावना है और आय बढ़ाने या निवेश की बेहतर योजना बन सकती है, हालांकि दिखावे पर खर्च करने से बचें। करियर में आपकी संवाद क्षमता किसी महत्वपूर्ण चर्चा को सफल बना सकती है। जल्दबाजी में बड़ा फैसला लेने से बचें। मानसिक थकान से बचने के लिए पर्याप्त आराम जरूरी रहेगा।

मिथुन

आज आपका ध्यान धन, बचत और परिवार की जिम्मेदारियों पर रहेगा। आपकी आकर्षक बातचीत और आत्मविश्वास लोगों को प्रभावित करेंगे और सामाजिक स्तर पर आपकी पकड़ मजबूत होगी। हालांकि मानसिक दबाव या उलझन के कारण पैसों और दोस्तों से जुड़े मामलों में जल्दबाजी से फैसला न लें। प्रेम जीवन में पार्टनर से भावनात्मक सहयोग मिलेगा और बातचीत रिश्ते में मिठास बढ़ाएगी। रुका हुआ धन मिलने की संभावना है, लेकिन बिना सोचे-समझे खर्च करने से बचना होगा। करियर में आपकी रचनात्मकता और संपर्कों का लाभ मिलेगा तथा वरिष्ठ आपकी प्रतिभा की सराहना कर सकते हैं। मूड में उतार-चढ़ाव से बचने के लिए खुद को शांत वातावरण में समय दें।

कर्क

आज आत्मविश्वास और अंतर्ज्ञान दोनों मजबूत रहेंगे। आप व्यक्तिगत फैसलों को लेकर पहले से अधिक स्पष्ट महसूस कर सकते हैं, हालांकि मूड में अचानक बदलाव और छोटी बातों पर भावुक प्रतिक्रिया परेशानी पैदा कर सकती है। आर्थिक मामलों में स्थिति स्थिर रहेगी और भविष्य के लिए बेहतर निवेश अवसर दिखाई दे सकते हैं, लेकिन भावनाओं में आकर खर्च न करें। प्रेम जीवन में पार्टनर से आपकी अपेक्षाएं बढ़ सकती हैं, इसलिए रिश्ते में पारदर्शिता और धैर्य बनाए रखें। करियर में जिम्मेदारियों का दबाव महसूस होगा, लेकिन आपकी समझदारी और भावनात्मक संतुलन आपको परिस्थितियों को संभालने में मदद करेगा। अधिक सोचने से नींद या पाचन प्रभावित हो सकता है, इसलिए आराम को प्राथमिकता दें।

सिंह

आज आत्मचिंतन और आध्यात्मिक गतिविधियों की ओर आपका रुझान बढ़ सकता है। हालांकि जरूरत से ज्यादा सोचने के कारण मानसिक थकान और बेचैनी महसूस हो सकती है। करियर के मामले में आपकी व्यावहारिक सोच आपको आगे बढ़ाएगी और बड़ी जिम्मेदारियों को संभालने का साहस भी मिलेगा। दोस्तों और सामाजिक संपर्कों से सहयोग प्राप्त होगा। प्रेम संबंधों में पुरानी बातों को बार-बार उठाने से बचें, विश्वास और शांति रिश्ते को मजबूत करेंगे। आर्थिक रूप से अचानक खर्च बढ़ सकते हैं, खासकर सुख-सुविधाओं या यात्रा पर, इसलिए बजट संभालकर चलें। तनाव कम करने के लिए ध्यान या शांत वातावरण में समय बिताना लाभकारी रहेगा।

कन्या

आज दोस्तों, सहकर्मियों और सामाजिक संपर्कों से आपको महत्वपूर्ण लाभ मिल सकता है। आत्मविश्वास बढ़ेगा और फैसले लेने की क्षमता पहले से बेहतर होगी। साझा जिम्मेदारियों या पैसों से जुड़ा कोई भावनात्मक दबाव महसूस हो सकता है, इसलिए धैर्य से काम लें। प्रेम जीवन में पार्टनर के साथ अच्छा समय बिताने का मौका मिलेगा, लेकिन बातचीत में जरूरत से ज्यादा आलोचनात्मक रवैया न अपनाएं। रुका हुआ पैसा मिलने की संभावना है, फिर भी भावनाओं में बहकर फिजूलखर्ची से बचें। करियर में आपकी मेहनत और प्रतिभा को पहचान मिल सकती है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन तनाव और मूड में बदलाव से बचने के लिए खानपान और आराम का ध्यान रखें।

तुला

आज करियर, जिम्मेदारियों और सामाजिक प्रतिष्ठा पर आपका पूरा ध्यान रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी समझदारी और भावनात्मक संतुलन आपको दूसरों से अलग पहचान दिला सकता है और वरिष्ठ अधिकारियों से प्रशंसा मिल सकती है। अनुभवी लोगों का सहयोग और आपकी रचनात्मक सोच आगे बढ़ने में मदद करेगी। आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी और भविष्य की सुरक्षा के लिए निवेश की योजना बन सकती है, लेकिन दिखावे पर खर्च करने से बचें। प्रेम जीवन में पार्टनर के साथ शांत और सम्मानजनक व्यवहार रखें। अपनी बात मनवाने की कोशिश रिश्ते में तनाव पैदा कर सकती है। मानसिक थकान से बचने के लिए हल्की कसरत और पर्याप्त आराम करें।

वृश्चिक

आज भाग्य आपका साथ देगा और धार्मिक या आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ सकती है। रिश्तों में ईमानदार बातचीत से आपसी समझ और गहरी होगी। हालांकि काम का बोझ और दैनिक जिम्मेदारियां बढ़ने के कारण शारीरिक थकान महसूस हो सकती है। करियर से जुड़े किसी फैसले को लेकर भ्रम की स्थिति बने तो जल्दबाजी न करें। प्रेम जीवन में तालमेल अच्छा रहेगा, लेकिन जिद या अड़ियल रवैये से बचना जरूरी है। आर्थिक स्थिति धीरे-धीरे बेहतर होगी और निवेश या साझे वित्तीय मामलों से लाभ मिल सकता है, फिर भी जोखिम भरे निवेश से दूर रहें। शरीर में दर्द या तनाव हो सकता है, इसलिए मानसिक शांति के लिए ध्यान और आराम का सहारा लें।

धनु

आज मन में छिपी चिंताएं या असुरक्षा की भावना उभर सकती है, इसलिए खुद को बेवजह परेशान करने से बचें। मंगल आपको आत्मविश्वास और रचनात्मक ऊर्जा देगा, लेकिन जरूरत से ज्यादा जोखिम लेने की प्रवृत्ति पर नियंत्रण रखना होगा। काम और स्वास्थ्य से जुड़े मामलों में अनुशासन बनाए रखना जरूरी रहेगा। प्रेम जीवन में रिश्ते की गहराई महसूस होगी और पार्टनर के साथ बॉन्डिंग मजबूत हो सकती है, लेकिन शक या जरूरत से ज्यादा सोचने से बचें। आर्थिक दृष्टि से दिन सामान्य रहेगा। लोन, टैक्स या लंबी अवधि की वित्तीय योजनाओं पर ध्यान देना पड़ सकता है। जोखिम भरे निवेश और भावनात्मक खर्च से दूर रहें। करियर में व्यावहारिक सोच आपको जिम्मेदारियां आसानी से पूरी करने में मदद करेगी।

मकर

आज रिश्तों और साझेदारी से जुड़े मामलों पर विशेष ध्यान रहेगा। विवाहित लोगों को जीवनसाथी का भावनात्मक सहयोग मिलेगा और साथ मिलकर घर-परिवार की योजनाएं बनाई जा सकती हैं। आत्मविश्वास और व्यावहारिक निर्णय लेने की क्षमता मजबूत रहेगी। कामकाज में प्रगति के अवसर मिलेंगे, हालांकि अधिक जिम्मेदारियों के कारण मानसिक थकान हो सकती है। घरेलू माहौल में किसी बात को लेकर तनाव या बहस संभव है, इसलिए जिद से बचें। आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी और लंबी अवधि की योजनाएं मजबूत होंगी, लेकिन सुख-सुविधाओं पर अनावश्यक खर्च न करें। रिश्तों का तनाव मानसिक शांति प्रभावित कर सकता है, इसलिए खुद को शांत रखने का प्रयास करें। करियर में स्थिति स्थिर रहेगी।

कुंभ

आज काम, स्वास्थ्य और रोजमर्रा की जिम्मेदारियां आपके दिन का मुख्य हिस्सा रहेंगी। काम का दबाव बढ़ सकता है और कभी-कभी भ्रम या बेचैनी महसूस हो सकती है, लेकिन आप परिस्थितियों को व्यवस्थित तरीके से संभालने में सफल होंगे। बातचीत में आत्मविश्वास रहेगा, मगर शब्दों में तीखापन न आने दें। परिवार और घर की जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। प्रेम जीवन में माहौल खुशनुमा रहेगा और पार्टनर के साथ नजदीकियां बढ़ेंगी। आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी, लेकिन घरेलू जरूरतों के लिए बजट के अनुसार खर्च करना जरूरी है। थकान या पाचन संबंधी परेशानी हो सकती है, इसलिए पर्याप्त नींद और पानी लें। करियर में व्यस्तता रहेगी और सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा।

मीन

आज आपकी कल्पनाशक्ति, रचनात्मकता और रोमांटिक भावनाएं काफी मजबूत रहेंगी। बच्चों से जुड़े मामलों पर भी ध्यान जाएगा। निर्णय लेने की क्षमता बेहतर होगी और धैर्य के कारण भावनात्मक परिस्थितियों को अच्छी तरह संभाल पाएंगे। हालांकि पैसों को लेकर अधीरता और घरेलू खर्चों में बढ़ोतरी हो सकती है, इसलिए वित्तीय मामलों में व्यावहारिक रवैया रखें। प्रेम जीवन में गहरा अपनापन और रोमांस महसूस होगा, लेकिन पार्टनर पर शक या जरूरत से ज्यादा सोचने से बचें। आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी

Aaj Ka Love Rashifal

आज का लव राशिफल 14 सितंबर: धनु और मकर राशि वालों के रिश्तों में आएगी मजबूती, जानें आज का लव राशिफल

Aaj Ka Love Rashifal 14 September 2026: आज ग्रह-नक्षत्रों की चाल प्रेम और रिश्तों पर असर डालेगी। जानें सभी 12 राशियों के लिए प्यार, रिश्ते और पार्टनर के साथ आज का दिन कैसा रहेगा।

14 सितंबर 2026 को प्रेम जीवन के मामले में ग्रहों की स्थिति कई राशियों के लिए खास संकेत दे रही है। आज कुछ लोगों के रिश्तों में प्यार और विश्वास बढ़ सकता है, जबकि कुछ जातकों को पार्टनर के साथ बातचीत करते समय समझदारी बरतनी होगी। सिंगल लोगों के लिए भी कोई खास मुलाकात या नए रिश्ते की शुरुआत के संकेत मिल सकते हैं। जानिए मेष से मीन तक सभी 12 राशियों के लिए आज का लव राशिफल और अपने प्रेम जीवन का हाल।

मेष लव राशिफल (Aries Love Horoscope)

आज प्रेम जीवन में उत्साह और रोमांस बना रहेगा। पार्टनर के साथ कहीं घूमने या रोमांटिक डेट का कार्यक्रम बन सकता है। अगर आप सिंगल हैं, तो किसी दोस्त या सोशल मीडिया के जरिए किसी खास व्यक्ति से बातचीत शुरू होने की संभावना है।

साप्ताहिक अंक ज्योतिष (14-20 सितंबर): इस सप्ताह मूलांक 1 से 9 वालों की कैसी रहेगी किस्मत? जानें धन-करियर-प्रेम

Weekly Numerology Predictions 14-20 September 2026: मूलांक 1 से 9 वालों के लिए यह सप्ताह करियर, आर्थिक स्थिति और प्रेम जीवन के लिहाज से खास बदलाव लेकर आ सकता है। जानें किस मूलांक को मिलेगा लाभ और किसे रहना होगा थोड़ा सावधान।

Saptahik Ank Jyotish:14 से 20 सितंबर 2026

मेका यह सप्ताह अंक ज्योतिष की दृष्टि से आत्ममंथन, धैर्य और संतुलन का संदेश लेकर आ रहा है। इस दौरान जीवन की कई परिस्थितियां आपको थोड़ा ठहरकर सोचने और चीजों को गहराई से समझने का अवसर देंगी। हर बदलाव तुरंत दिखाई दे, यह जरूरी नहीं है; कुछ परिणाम सही समय आने पर ही सामने आएंगे। इसलिए इस सप्ताह जल्दबाजी से बचते हुए धैर्य के साथ आगे बढ़ना बेहतर रहेगा। रिश्तों और कामकाज में खुलकर संवाद करना, दूसरों की बात समझना और सही तालमेल बनाए रखना आपके लिए खास तौर पर फायदेमंद साबित हो सकता है।

मूलांक 1

मूलांक 1 वालों के लिए यह सप्ताह अपनी तेज रफ्तार को थोड़ा नियंत्रित करने और दूसरों की बातों को समझने का है। आप आमतौर पर अपने दम पर आगे बढ़ना पसंद करते हैं, लेकिन इस समय सहयोग लेकर चलना ज्यादा लाभदायक रहेगा। सेहत के मामले में कामकाज की धीमी गति आपको बेचैन कर सकती है, इसलिए पर्याप्त नींद लें और दिनचर्या को शांत व संतुलित रखें। रिश्तों में अपनी बात रखने का तरीका थोड़ा नरम रखें। प्यार और समझदारी से की गई बातचीत रिश्तों में मजबूती लाएगी।

मूलांक 2

मूलांक 2 के जातकों के लिए यह सप्ताह सकारात्मक रहने वाला है। लोगों की भावनाओं को समझने और धैर्य के साथ परिस्थितियों को संभालने की आपकी क्षमता आपको आगे बढ़ाएगी। मानसिक शांति बनाए रखने के लिए बेवजह की चिंता और तनाव से खुद को दूर रखें। रिश्तों के लिहाज से भी समय अच्छा है। परिवार या किसी करीबी से खुलकर बातचीत करने से पुराने मतभेद दूर हो सकते हैं। लंबे समय से दिल में दबी कोई बात है तो उसे शांत भाव से साझा करना रिश्ते को बेहतर बना सकता है।

साप्ताहिक टैरो राशिफल: कन्या और कुंभ की जिंदगी में आएगा नया मोड़, टैरो कार्ड्स ने दिए संकेत

Weekly Tarot Horoscope 14-20 September 2026: इस सप्ताह टैरो कार्ड्स मेष से मीन तक सभी राशियों के लिए प्यार, करियर, धन और रिश्तों से जुड़े खास संकेत दे रहे हैं। जानें किस राशि के लिए सप्ताह रहेगा शुभ और किसे रहना होगा सतर्क।

साप्ताहिक टैरो राशिफल 14 से 20 सितंबर 2026: इस सप्ताह टैरो कार्ड्स करियर, नौकरी, आर्थिक स्थिति, प्रेम संबंधों और पारिवारिक मामलों को लेकर कई महत्वपूर्ण संकेत दे रहे हैं। अगर आपके मन में नौकरी बदलने, नए अवसर स्वीकार करने, किसी रिश्ते को लेकर फैसला लेने या किसी पुराने काम को पूरा करने जैसे सवाल चल रहे हैं, तो यह रीडिंग आपको स्थिति को नए नजरिए से समझने में मदद कर सकती है।

सप्ताह की शुरुआत में भावनात्मक मुद्दे और बातचीत प्रमुख रहेंगे, वहीं आगे बढ़ते हुए काम और जिम्मेदारियों से जुड़े फैसले ज्यादा स्पष्ट हो सकते हैं। जानें मेष से मीन तक सभी 12 राशियों के लिए क्या संदेश दे रहे हैं टैरो कार्ड्स।

गणेश चतुर्थी 2026: गणपति की कृपा पाने के लिए राशि अनुसार करें ये उपाय, जानें किसके लिए क्या चढ़ाना शुभ

मान्यता है कि अलग-अलग राशियों के स्वभाव और ग्रह प्रभाव के अनुसार गणेश जी को अलग सामग्री अर्पित करने की परंपरा बताई गई है। आइए जानते हैं, आपकी राशि के अनुसार गणेश चतुर्थी पर कौन सा उपाय करना शुभ माना जाता है।

गणेश चतुर्थी का दिन भगवान गणेश की आराधना के लिए बेहद शुभ माना जाता है। मान्यता है कि विघ्नहर्ता गणेश की विधिवत पूजा करने से जीवन में आने वाली परेशानियां कम होती हैं और शुभ कार्यों में सफलता के मार्ग खुलते हैं। यदि इस पावन अवसर पर अपनी राशि के अनुसार गणपति को प्रिय वस्तुएं अर्पित की जाएं, तो पूजा का विशेष फल प्राप्त होने की धार्मिक मान्यता है। अलग-अलग राशियों के स्वभाव और ग्रह प्रभाव के अनुसार गणेश जी को अलग सामग्री अर्पित करने की परंपरा बताई गई है। आइए जानते हैं, आपकी राशि के अनुसार गणेश चतुर्थी पर कौन सा उपाय करना शुभ माना जाता है।

मेष राशि

मेष राशि के जातक गणेश जी को लाल रंग के पुष्प और मोदक अर्पित कर सकते हैं। भगवान गणेश से अपने कार्यों में आने वाली बाधाओं को दूर करने और सफलता प्रदान करने की प्रार्थना करें।

मान्यता है

वृषभ राशि

वृषभ राशि वालों के लिए गणपति को सफेद फूल चढ़ाना शुभ माना जाता है।

पूजा के दौरान दूध और पंचामृत से भगवान गणेश का अभिषेक करें।

धार्मिक मान्यता के अनुसार यह उपाय घर में शांति बनाए रखने और परिवार के सदस्यों के बीच प्रेम व सामंजस्य बढ़ाने में सहायक हो सकता है।

मिथुन राशि

मिथुन राशि के जातक गणेश जी को दुर्वा और हरे रंग की मिठाई अर्पित करें।

पूजा के समय आर्थिक परेशानियों और धन से जुड़ी रुकावटों को दूर करने की कामना करें।

मान्यता है कि इस उपाय से धन संबंधी अड़चनें कम हो सकती हैं और आर्थिक स्थिति बेहतर होने के रास्ते खुल सकते हैं।

कर्क राशि

कर्क राशि के जातकों को गणपति को नारियल और दूध से तैयार मिठाई का भोग लगाना चाहिए।

पूजा के दौरान मानसिक शांति और सकारात्मक सोच की प्रार्थना करें।

'ट्रॉफी चोर' के नारों से गूंजा दुबई स्टेडियम:

भारत ने नहीं लिया कप तो मैदान से भाग खड़े हुए नकवी

भारत ने श्रीलंका को हराकर रिकॉर्ड आठवीं बार महिला एशिया कप जीता, लेकिन मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने के लिए टीम मैदान पर नहीं आई। आधे घंटे से ज्यादा इंतजार के बाद भारतीय खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम लौट गईं। नकवी भी श्रीलंका को उपविजेता चेक देने के बाद समारोह बीच में छोड़कर चले गए। दुबई में रविवार को भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने श्रीलंका को 72 रन से हराकर रिकॉर्ड आठवीं बार एशिया कप का खिताब अपने नाम किया। मैदान पर हरमनप्रीत कौर की टीम की शानदार जीत का जश्न था, लेकिन मैच के बाद का माहौल ट्रॉफी से ज्यादा विवाद को लेकर चर्चा में आ गया। भारतीय टीम आधिकारिक पुरस्कार समारोह में शामिल ही नहीं हुई और एशियाई क्रिकेट परिषद (ACC) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया। यह विवाद पिछले साल के पुरुष एशिया कप की याद दिलाने वाला रहा, जब सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली भारतीय टीम ने नकवी से ट्रॉफी और पदक लेने से इनकार कर दिया था। 2025 के उस विवाद के बाद भी भारत को अपनी एशिया कप ट्रॉफी नहीं मिली है और वह एसीसी कार्यालय में रखी होने की बात कही गई थी। आधे घंटे से ज्यादा चला इंतजार, फिर ड्रेसिंग रूम लौटी टीम

महिला एशिया कप फाइनल खत्म होने के बाद ट्रॉफी प्रेजेंटेशन शुरू होने में आधे घंटे से ज्यादा का समय लग गया। इस दौरान भारतीय खिलाड़ियों ने मैदान पर एक साथ बैठक की। इस हडल में बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया और बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला भी मौजूद थे। इसके बाद फैन वीडियो में भारतीय टीम को मैदान से निकलकर ड्रेसिंग रूम की ओर जाते हुए देखा गया। खिलाड़ी फिर प्रेजेंटेशन सेरेमनी के लिए मैदान पर नहीं लौटीं। इससे साफ हो गया कि भारत ने पिछले साल के रुख को ही आगे बढ़ाया है। इस बार भी टीम ने नकवी के हाथों ट्रॉफी स्वीकार करने के बजाय समारोह से दूरी बनाए रखी।

श्रीलंका ने लिया उपविजेता का पुरस्कार

भारतीय टीम की गैरमौजूदगी में प्रेजेंटेशन सेरेमनी आगे बढ़ा। श्रीलंकाई कप्तान चमारी अटापट्टू ने नकवी से उपविजेता का चेक लिया इससे पहले श्रीलंकाई खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ को श्रीलंका क्रिकेट के अंतरिम प्रमुख एरॉन विक्रमरत्ने ने पदक दिए। नकवी ने अटापट्टू को पुरस्कार देने के बाद स्टेडियम से निकलना शुरू कर दिया। इसी दौरान स्टेडियम में मौजूद दर्शकों की प्रतिक्रिया भी सामने आई।

भारतीय महिला टीम ने दिखाया आईना:

एशिया कप जीतने के बाद नकवी के हाथ से नहीं ली ट्रॉफी

भारतीय महिला टीम ने मोहसिन नकवी के हाथों से एशिया कप की ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया है। भारत ने फाइनल में श्रीलंका को हराया। एशिया क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष होने के नाते नकवी ट्रॉफी देने मंच पर मौजूद थे, लेकिन भारतीय टीम ने ट्रॉफी नहीं ली। भारतीय टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने कहा, ट्रॉफी न लेने का फैसला भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) का है। टीम इसका समर्थन करती है। भारतीय महिला टीम ने एशिया कप का खिताब जीतने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी को आईना दिखाया है। महिला टीम ने नकवी के हाथों से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया। नकवी एशिया क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष भी हैं।

पीसीबी प्रमुख के खिलाफ नारेबाजी

10 बार फाइनल में पहुंचकर आठ खिताब जीतने वाली टीम इंडिया, विमेंस एशिया कप के इतिहास की सबसे सफल टीम बन गई है।

- भारतीय टीम ने एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी से ट्रॉफी नहीं ली। स्टेडियम से खाली हाथ बाहर जाते दिखे नकवी। 2025 में वे ट्रॉफी अपने साथ ले गए थे। ट्रॉफी नहीं लेने के मामले में एएनआई ने क्रिकइंफो के हवाले से बताया कि भारतीय टीम के हेड कोच अमोल मजूमदार ने इसे बीसीसीआई का रुख बताया।
- मजूमदार ने कहा कि टीम इंडिया को बड़े बोर्ड पर चैंपियन घोषित किया जाना ही काफी है। हमारे लिए यह टूर्नामेंट खत्म हो चुका है, हम चैंपियन हैं। यही काफी है।

नकवी के बाहर जाते समय स्टेडियम में मौजूद लोगों ने उनके खिलाफ नारे भी लगाए।

कोहली ने क्यों बनवाए इतने टैटू?: हर तस्वीर के पीछे छिपा एक राज;

स्याही का हर निशान बताता है विराट की अलग पहचान

विराट कोहली के दोनों हाथों पर बने टैटू उनकी जिंदगी, विश्वास, परिवार और क्रिकेट करियर के अलग-अलग पहलुओं को दर्शाते हैं। उनके साथ काम करने वाले टैटू कलाकारों के मुताबिक, कोहली डिजाइन की हर बारीकी में खुद शामिल रहते हैं। हार्दिक पांड्या, तिलक वर्मा, स्मृति मंधाना और अर्शदीप सिंह जैसे क्रिकेटर भी टैटू को अपनी पहचान का हिस्सा बना चुके हैं।

क्रिकेट के मैदान पर विराट कोहली को याद करते ही सबसे पहले उनके शॉट्स, आक्रामक अंदाज, जोशीले जश्न और खेल के प्रति जुनून की तस्वीर सामने आती है। इसके बाद उनके रिकॉर्ड और रन याद आते हैं, लेकिन कोहली ने सिर्फ बल्लेबाजी से ही एक पूरी पीढ़ी को प्रभावित नहीं किया। उनकी दाढ़ी, हेयरस्टाइल, पहनावा और अंदाज भी युवाओं के बीच चर्चा का हिस्सा रहे हैं। इन सबके बीच उनके शरीर पर बने टैटू उनकी पहचान का एक ऐसा हिस्सा हैं, जो मैदान से बाहर कोहली के व्यक्तित्व की बिल्कुल अलग तस्वीर दिखाते हैं। कोहली के दोनों हाथों पर कई टैटू हैं। पहली नजर में ये डिजाइन किसी रॉकस्टार की तरह बहुत ज्यादा शोर मचाने वाले नहीं लगते, लेकिन इनके पीछे की कहानियां काफी व्यक्तिगत हैं। कहीं परिवार है, कहीं आध्यात्मिकता, कहीं अनुशासन और कहीं जिंदगी को देखने का नजरिया। यही वजह है कि कोहली के लिए टैटू महज शरीर पर बना डिजाइन नहीं, बल्कि उनकी जिंदगी की डायरी जैसा है।

कोहली के टैटू में क्या-क्या छिपा है?

विराट कोहली के टैटू कलेक्शन को देखें तो इसमें कई अलग-अलग प्रतीक दिखाई देते हैं। इनमें प्रमुख हैं:

- ऑल-सीइंग आई, जिसे कोहली ने इस सोच से जोड़ा है कि इंसान जो कुछ करता है, उसे कोई न कोई देख रहा है और उसके कर्मों का हिसाब रखा जा रहा है।
- जापानी समुराई का टैटू, जिससे कोहली ताकत, वफादारी, आत्म-अनुशासन और नैतिक व्यवहार जैसे मूल्यों को जोड़ते हैं।
- उनकी वनडे और टेस्ट कैप के नंबर।
- उनके पिता और मां के नाम।
- भगवान शिव का टैटू, जिसमें शिव को कैलाश पर्वत पर ध्यान करते हुए दिखाया गया है।
- एक मठ की तस्वीर।
- स्कॉर्पियो, ओम और ट्राइबल डिजाइन भी उनके शरीर पर मौजूद हैं।

महिला एशिया कप में भारत का दबदबा:

आठवीं बार जीता खिताब फाइनल में श्रीलंका को हराया

भारतीय टीम वनडे हो या टी20 इस टूर्नामेंट के हर प्रारूप में हमेशा खिताबी मुकाबले तक पहुंची है। भारत ने सर्वाधिक आठ बार खिताब अपने नाम किया है। भारत ने 2004, 2005, 2006, 2008 में वनडे प्रारूप और 2012, 2016, 2022 और 2026 में टी20 प्रारूप में एशिया कप अपने नाम किया है। उसे 2018 और 2024 में फाइनल में हार मिली थी। शुरुआती झटके के बाद संभला श्रीलंका

लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही। क्रांति गौड़ ने इमिशा दुलानी को बोल्ड कर श्रीलंका को पहला झटका दिया। दुलानी चार रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद कप्तान चामरी अट्टापट्टू और विश्मी गुणारत्ने ने मोर्चा संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिए 58 रनों की साझेदारी की। इस साझेदारी को दीप्ति ने अट्टापट्टू को आउट कर तोड़ा। चामरी 32 गेंदों पर चार चौकों और दो छक्कों की मदद से 36 रन बनाए। शेफाली वर्मा और प्रेमा रावत को एक-एक सफलता मिली।

IND W vs SL W Final Asia Cup 2026: हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली भारतीय महिला टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आठवीं बार एशिया कप का खिताब अपने नाम कर लिया है। भारत ने दुबई में खेले गए फाइनल में श्रीलंका को 72 रनों से हराया। भारतीय महिला टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को हराकर आठवीं बार एशिया कप का खिताब अपने नाम कर लिया है। भारत ने दुबई में खेले गए इस मुकाबले में श्रीलंका को 72 रनों से हराया। भारतीय टीम पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही और ग्रुप चरण से लेकर फाइनल तक टीम ने दमदार प्रदर्शन किया। भारत ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 183 रन बनाए। भारत के लिए शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने शानदार बल्लेबाजी की और अर्धशतक जड़े। जवाब में श्रीलंका की टीम 20 ओवर में 111 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत ने इस तरह श्रीलंका से पुराना हिसाब भी चुकता कर लिया है। भारतीय महिला टीम का एशिया कप में दबदबा बरकरार है।

भारत की एकतरफा जीत: पहले टी20 में अफगानिस्तान को हराया अभिषेक शर्मा ने दिखाया दम सीरीज में हासिल की बढ़त

India vs Afghanistan 1st T20 Highlights: अभिषेक शर्मा और अर्शदीप सिंह के शानदार प्रदर्शन की मदद से भारत ने अफगानिस्तान को एकतरफा अंदाज में हराया। भारत ने तीन मैचों की टी20 सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है।

अभिषेक शर्मा के शानदार अर्धशतक की मदद से भारत ने पहले टी20 मैच में अफगानिस्तान को सात विकेट से हराया। अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट पर 156 रन बनाए। जवाब में भारत ने 13.4 ओवर में तीन विकेट पर 157 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। भारत ने इस तरह तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। दूसरा मैच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में ही 15 सितंबर को खेला जाएगा।

अभिषेक-ईशान की साझेदारी

लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम ने संजू सैमसन का विकेट जल्द गंवा दिया। सैमसन को इस मैच में वैभव सूर्यवंशी की जगह मौका दिया गया था, लेकिन वह प्रभावित नहीं कर सके। इसके बाद अभिषेक ने ईशान के साथ मिलकर मोर्चा संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिए 121 रनों की साझेदारी की। इस दौरान अभिषेक ने अर्धशतक भी जड़ा। अभिषेक शतक की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन मोहम्मद नबी ने उन्हें आउट किया। फिर ईशान ने कप्तान श्रेयस अय्यर के साथ पारी आगे बढ़ाई। दोनों बल्लेबाज टीम को जीत की दहलीज तक ले आए थे। ईशान अर्धशतक के करीब थे और उन्होंने नबी की गेंद पर जोरदार शॉट लगाया। लेकिन बाउंड्री पर राशिद खान ने उनका शानदार कैच लपका। इस तरह ईशान अर्धशतक लगाने से चूक गए। श्रेयस और तिलक ने फिर जीत की औपचारिकता पूरी की।

भारत के लिए अभिषेक ने दमदार बल्लेबाजी की और अर्धशतक लगाया। अभिषेक ने ईशान किशन के साथ मिलकर साझेदारी निभाई। अभिषेक ने 32 गेंदों पर सात चौकों और सात छक्कों की मदद से 82 रन बनाए। उनके अलावा ईशान किशन ने 33 गेंदों पर पांच चौकों और एक छक्के की मदद से 42 रन बनाए। संजू सैमसन 10 रन बनाकर आउट हुए, जबकि कप्तान श्रेयस अय्यर नाबाद आठ और तिलक वर्मा तीन रन बनाकर नाबाद रहे। अफगानिस्तान की ओर से मोहम्मद नबी ने दो विकेट झटके, जबकि अजमातुल्लाह ओमरजई को एक विकेट मिला। इससे पहले, भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। भारतीय गेंदबाजों ने कप्तान के इस फैसले को सही साबित करने में ज्यादा देर नहीं लगाई। अफगानिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही और पावरप्ले में टीम संघर्ष करती नजर आई।

लेखकों के वैचारिक दृष्टिकोण से या संवाददाताओं की खबरों से संपादक की सहमति-असहमति अनिवार्य नहीं है। किसी लेख या खबर के सन्दर्भ में आपत्ति या विरोध हो तो संपादकीय कार्यालय से सम्पर्क करें।
आपके स्पष्टीकरण को साक्ष्य प्रकाशित किया जाएगा।
– सम्पादक

R.N.I. No.
UPHIN/25/A4228
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक
निर्भय कुमार सेंगर
के लिए 'प्लैनेट न्यूज़ इंडिया' प्रेस से छपकर,
बी-9, गायत्री भवन,
विक्रम कॉलोनी, चावला पेट्रोल पंप के पास,
रामघाट रोड, अलीगढ़
(उ.प्र.) से प्रकाशित।
मो. 9454428661
प्रधान संपादक- निर्भय कुमार सेंगर
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अलीगढ़ होगा)
Email:planetnewsindia776@gmail.com

BOOK YOUR ADVERTISEMENT

+91-7088120300